आज का विचार
खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | बुधवार, 25 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 48, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

अकाली और कांग्रेस सरकारों ने पंजाब के बच्चों को जानबूझकर अनपढ़ रखा: भगवंत मान

उन्हें पंजाब के लोगों की तरक्की की कोई चिंता नहीं है, बल्कि उन्हें सिर्फ अपनी बेटियों-बेटों और रिश्तेदारों की चिंता है: भगवंत मान

सिटी दर्पण संवाददाता
मानसा

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि अकाली और कांग्रेस के दशकों के शासन ने जानबूझकर पंजाब के बच्चों को अनपढ़ रखा, जबकि राजनीतिक परिवार फलते-फूलते रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन पार्टियों को कभी भी लोगों की तरक्की की चिंता नहीं थी, बल्कि सिर्फ अपनी बेटियों-बेटों और रिश्तेदारों के लिए सत्ता हासिल करने की चिंता थी। सरदूलगढ़ में सरकारी आई.टी.आई., जो हर साल 240 विद्यार्थियों को हुनरमंद बनाएगी, का नींव पत्थर रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा अब चुनाव सपना पूरा करने के लिए दूसरी पार्टियों के दलबदलुओं पर निर्भर कर रही है लेकिन पंजाब ने अलग रास्ता चुना है।

पंजाब सरकार द्वारा सरकारी खजाने का एक-एक पैसा ईमानदारी से लोगों की भलाई और तरक्की पर खर्च करने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ऐलान किया कि आप सरकार, पंजाब विकास के लिए नए इंजन पर चल रही है, जबकि भाजपा, अकाली दल और कांग्रेस के इंजन पुराने हो चुके हैं और सूबे को आगे बढ़ाने के सक्षम नहीं हैं।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, अकाली दल खुद एक डायनासोर है, जिसने राज्य और इसके लोगों की कमाई को हड़प लिया। जहां आप सरकार पंजाबी नौजवानों को डॉक्टर और इंजीनियर बनाकर भविष्य के लिए तैयार करने के लिए सख्त प्रयास कर रही है, वहीं अकाली दल राज्य के नौजवानों को डायनासोर युग में वापस खींचने पर तुला हुआ है। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि डायनासोर मनुष्यों के लिए घातक थे। उन्होंने कहा कि डायनासोर अकालियों का पसंदीदा जानवर है क्योंकि अकालियों ने भी पंजाब और पंजाबियों की मेहनत की कमाई खाई है। उन्होंने कहा, लोग कभी भी ऐसे नेताओं को नहीं चुनेंगे, जिन्होंने राज्य को बर्बाद किया है और अपनी घिनौनी हरकतों से हमारी पीढ़ियों को हड़प लिया है।

अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा पर व्यंग्य कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली दल की इस चाल का असली नाम परिवार बचाओ यात्रा है। उन्होंने कहा, मैं अकाली नेताओं को चुनौती देता हूं कि वे यह बताएं कि 15 साल राज्य को लूटने के बाद वे राज्य को किससे बचाने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों ने अकालियों को चुना था लेकिन वे गद्दार साबित हुए और हमेशा सूबे और इसके लोगों की पीठ में छुरा घोंपा है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लोगों को याद दिलाया कि जब समूची किसानी अपने हकों के लिए लड़ रही थी तब अकालियों ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में अपनी कुर्सी बचाने खातिर काले कृषि कानूनों पर मोदी सरकार का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि अकालियों ने अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए पंथ की दुरुपयोग किया है, जिस कारण लोगों द्वारा उन्हें माफ नहीं किया जा सकता। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी चुनाव जीतने की उम्मीद में दूसरी पार्टियों के दलबदलुओं पर निर्भर कर रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाजपा की यह रणनीति पंजाब में काम नहीं करेगी क्योंकि दूसरी मशीनों के खराब हुए पुर्जों वाला इंजन ज्यादा देर नहीं चल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस क्षेत्र के आभारी हैं, जिसने हमेशा एक कलाकार के रूप में और अब एक राजनीतिज्ञ के रूप में उन्हें बहुत प्यार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस प्यार के लिए हमेशा इस क्षेत्र के लोगों का ऋणी रहूंगा। इस क्षेत्र को पहले पिछड़ा क्षेत्र कहा जाता था और यहां तक कि राज्य सरकार भी इसके लिए सर्टिफिकेट जारी करती थी और इस क्षेत्र की तरक्की पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। 'आप' सरकार विकास प्रोजेक्ट शुरू करके इस इलाके से पिछड़ेपन के कलंक को हटाने के लिए सख्त मेहनत कर रही है।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और गुरमीत सिंह खुड्डियां, वरिष्ठ 'आप' नेता और पंजाब के पार्टी इंचार्ज मनीष सिसोदिया और अन्य भी मौजूद थे।

हरियाणा सरकार रख रही है जनता के पैसे की एक-एक पाई का हिसाब: नायब सैनी

सदन में मुख्यमंत्री ने कहा: सरकार जीरो टॉलरेंस टू करप्शन की नीति के साथ काम कर रही है

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के मामले पर सदन के समक्ष बताया कि इस प्रकरण में शामिल हरियाणा सरकार के विभाग व बोर्ड कॉरपोरेशन सहित संपूर्ण राशि का शत-प्रतिशत भुगतान आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा विभिन्न विभागों के खातों में वापस जमा कर दिया गया है। बैंक द्वारा कुल 556 करोड़ रुपये जमा करवाए गए हैं, जिसमें लगभग 22 करोड़ रुपये ब्याज भी शामिल हैं। 24 घंटे से भी कम समय में सरकार द्वारा बैंक के उच्चाधिकारियों के सहयोग से पूरा पैसा रिकवर कर लिया गया है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सदन में कहा कि आज देश में नरेंद्र मोदी जैसा मजबूत चौकीदार है, जिनके नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार जनता के पैसे की एक -एक पाई का हिसाब रख रही है। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख लोगों की मेहनत का पैसा है और इसे उनके कल्याण पर ही खर्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त सचिव की अध्यक्षता में बनाई गई हाई-लेवल कमेटी कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय करेगी।

उन्होंने कहा कि अब हरियाणा में शासन की कार्यप्रणाली पूरी तरह बदल चुकी है। भ्रष्टाचार की फाइलें दबाने का समय खत्म हो गया है। डबल इंजन की सरकार हर पाई का हिसाब रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई पैसा गलत तरीके से खर्च न हो। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में, भारतीय जनता पार्टी की सरकार जीरो टॉलरेंस टू करप्शन की नीति के साथ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि बैंक ने बताया कि यह प्रकरण मुख्य रूप से चंडीगढ़ की शाखा का था, और मिडिल तथा लोअर लेवल के कर्मचारियों की मिली-भगत से हुआ। श्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि सरकार बैंक के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि इस प्रकरण में शामिल कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सरकारी अधिकारी हो या बैंक कर्मचारी, बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोहराया कि किसी भी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी को इस मामले में माफ नहीं किया जाएगा।

लोकतंत्र में सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार, लेकिन सदन की मर्यादा भी जरूरी : नायब सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को प्रदर्शन करने या सरकार के खिलाफ अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन विपक्ष द्वारा सदन के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन करना उचित नहीं। उन्हें सदन की मयार्दा का ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा सुबह किए गए प्रदर्शन पर सदन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी को अपनी बात कहने के लिए स्थान की आवश्यकता है, तो सेक्टर-25, चंडीगढ़ में प्रदर्शन हेतु स्थान आरक्षित किया गया है। वहां जाकर प्रदर्शन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी है, क्योंकि वे सदन के कस्टोडियन हैं और सरकार इस संबंध में उनके हर निर्णय के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर चल रहे हैं, जो इस सदन की परंपरा है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ने कभी भी किसी सदस्य के साथ भेदभाव नहीं किया, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। किसी भी पक्ष के विधायक हों, यदि कहीं थोड़ी-बहुत असमानता की भावना बनी भी हो, तो भी उन्होंने विपक्ष को पूरा समय दिया है और सदैव निष्पक्षता का परिचय दिया है।

राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को बताया किसानों के खिलाफ

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने इस डील को किसानों के खिलाफ बताया। राहुल ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर दम है तो अमेरिका के साथ इस जनविरोधी डील को रद्द करके दिखाएं।

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील के विरोध में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मंगलवार को कांग्रेस ने 'किसान महाचौपाल' का आयोजन किया है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पहुंचे।

राहुल गांधी ने महाचौपाल को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक अंतरराष्ट्रीय समझौते के जरिए देश के किसानों के हितों से समझौता किया। उन्होंने कहा कि यह डील चार महीने तक रुकी हुई थी और कृषि से जुड़े मुद्दों पर बातचीत ठप पड़ी थी। राहुल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने इस दौरान संबंधित मंत्रियों से कोई चर्चा नहीं की और अचानक फैसला ले लिया।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार नहीं चाहती थी कि अमेरिका की बड़ी कंपनियां सोया, कपास और मक्का जैसे कृषि उत्पाद भारत में बेचें, क्योंकि इससे भारतीय किसानों को नुकसान हो सकता था। चार महीने तक बातचीत रुकी रही, लेकिन उनके भाषण के बाद प्रधानमंत्री ने बिना कैबिनेट से चर्चा किए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कर समझौते के लिए सहमति दे दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी ने देश के किसानों को कमजोर किया और उनका डेटा तक बाहर दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से टेक्सटाइल इंडस्ट्री भी प्रभावित हुई है।

राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। मैं चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहता था। मैंने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे की बात रखी थी। कांग्रेस नेता ने नरवणे की संस्मरण पुस्तक को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि युद्ध में जाने का निर्णय सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक होता है। राहुल ने कहा कि सेना अपना कर्तव्य निभाती है, लेकिन युद्ध का अंतिम निर्णय राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिया जाता है। किसी भी देश में युद्ध जैसे गंभीर विषय पर निर्णय लेने की जिम्मेदारी निर्वाचित सरकार और राजनीतिक नेतृत्व की होती है, जबकि सेना उस निर्णय को लागू करने का कार्य करती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अब सरकार यह कह रही है कि बांग्लादेश की मदद की जाएगी और टेक्सटाइल सेक्टर में जीरो प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। उनका दावा है कि यदि भारत अमेरिका से कपास खरीदेगा तो उस पर भी जीरो टैक्स लागू होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हर साल भारत को अमेरिका से भारी मात्रा में आयात करना पड़ेगा, तो इससे देश की घरेलू इंडस्ट्री पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय दबाव में लिया गया है।

एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के समुचित एकीकरण से पर्यटन अनुभव बेहतर होगा: उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का समुचित एकीकरण पर्यटन अनुभव को अधिक सुगम, स्मार्ट और आकर्षक बना सकता है। उपराष्ट्रपति मंगलवार को यहां आयोजित पर्यटन नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन का आयोजन यूएस-इंडिया पार्टनरशिप फोरम ने सांकला फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र तेजी से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में एआई, डेटा एनालिटिक्स, वर्चुअल रियलिटी तथा स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। इन तकनीकों के माध्यम से पर्यटकों को व्यक्तिगत सेवाएं, बेहतर मार्गदर्शन, सुरक्षित यात्रा और समृद्ध अनुभव प्रदान किए जा सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घोषित ह्यटूरिज्म विजन 2029ह्व के तहत प्रत्येक राज्य में कम-से-कम एक विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल में डिजिटल एकीकरण, स्मार्ट सुविधाएं, निर्बाध कनेक्टिविटी और सतत विकास को प्रमुखता दी गई है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, विविध प्राकृतिक सौंदर्य और युवा जनसंख्या देश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में सक्षम है।

सफल होने के लिए दिमाग से ज्यादा दिल की सुनें: रामबहादुर राय

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने मंगलवार को कहा कि हिंसा अशांति और निराशा से निकलने के लिए दिमाग से ज्यादा दिल की सुनें, तभी पूर्ण रूप से अपने क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। रामबहादुर राय ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित आईजीएनसीए के कलानिधि विभाग की ओर से 'महिलाएं काम और शांति' पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम में कही। वरिष्ठ पत्रकार विश्लेषक एवं लेखिका नीलम गुप्ता द्वारा अनुवादित इस पुस्तक का प्रकाशन 'नवजीवन सामप्रत' ने किया है। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा, ्रअगर आपको अंधेरे से बाहर निकलना है, आप रोशनी की तलाश में हैं, तो यह पुस्तक सूरज की किरण की तरह काम करेगी।्र

इस पुस्तक की लेखिका इला रमेश भट्ट (1933झ2022) के विचारों को भारतीय समाज में महिला सशक्तिकरण श्रम गरिमा और शांति स्थापना के महत्वपूर्ण आयामों से जोड़ते हुए राय ने कहा कि उनकी अनुवादित यह पुस्तक समकालीन समाज के लिए प्रेरक मार्गदर्शक का कार्य करेगी।

यह पुस्तक भाषणों का संकलन है लेकिन इसमें सिर्फ बोले हुए शब्द नहीं है बल्कि गहन अनुभव हैं और ये अनुभव आकाश जैसा है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में सिर्फ भारतीय महिलाओं की चिंता नहीं है बल्कि दक्षिण-एशियाई महिलाओं की चिंता है।

इला भट्ट से अपनी मुलाकात को याद करते हुए नीलम ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि वह पहली बार 1989 में दिल्ली में तब मिली थीं जब वे राज्यसभा सदस्य थीं। उन्होंने आर्थिक रूप से पिछड़ी और कामकाजी महिलाओं की सहायता के लिए 'सेवा बैंक' की नींव रखी थी। आज यह बैंक 23 राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहा है।

डाक विभाग को सबसे बड़ी लाजिस्टिक शक्ति के रूप में करेंगे स्थापित: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग देश के विकास में अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। डाक विभाग को तकनीकी रूप से सुदृढ बनाने के लिए कई कदम उठाए गए है। हमारा संकल्प है कि देश के डाक विभाग को विश्व की सबसे बड़ी लाजिस्टिक शक्ति के रूप में स्थापित करेंगे। केंद्रीय संचार एवं उत्तरपूर्व क्षेत्र विकास मंत्री सिंधिया मंगलवार शाम को मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी किनारे स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीण डाक सेवक मेरे परिवार के सदस्य हैं।

सिंधिया ने कहा कि देशभर में ग्रामीण डाक सेवक एक सैनिक की भांती कार्य कर रहे हैं। रेगिस्तान हो या पहाड़ों की चोटियां या मैदानी क्षेत्र हर एक स्थान पर ग्रामीण डाक सेवक निर्भीक रूप से पहुंचकर आमजन की सेवा कर रहे हैं। दुर्गम स्थलों जहां कोई अन्य व्यक्ति जाने की हिम्मत नहीं करता है, वहां भी हमारा डाक सेवक अपनी सेवाएं दे रहा है। सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बगैर डाक सेवक अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहा है। ग्रामीण डाक सेवक का मान-सम्मान शासन का संकल्प है। उन्होंने डाक सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि देश में 30 करोड़ पोस्ट ऑफिस बचत खातों को खुलवाने तथा उनमें लगभग 22 लाख करोड़ की रुपये की राशि जमा कराने में ग्रामीण डाक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज पूरे देश में 3 करोड़ 80 लाख सुकन्या समृद्धि खाते हैं, जो हमारे ग्रामीण डाक सेवकों ने खुलवाएं हैं। देश में 2 करोड़ पासपोर्ट बनवाने में तथा 15 करोड़ से अधिक आधार कार्ड वितरण में भी हमारे डाक सेवकों ने महत्वूर्ण भूमिका निभाई है।

सिंधिया ने कहा कि अब केंद्रीय विद्यालयों में ग्रामीण डाक सेवकों के बच्चों को भी प्रवेश मिलेगा। डाकघरों को मुनाफे का केंद्र बनाया जाएगा। पार्सल वितरण क्षेत्र में अब महत्वपूर्ण भूमिका डाक घरों द्वारा निभाई जाएगी। डाक विभाग में डिजिटल सिस्टम, ट्रैकिंग सिस्टम अपनाए जाएंगे। सामग्री वितरण शत-प्रतिशत रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। दुर्गम क्षेत्रों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की भी सेवाएं ली जाएगी। विभाग अब ड्रोन का भी उपयोग करेगा।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि विभाग द्वारा तकनीकी दक्षता में वृद्धि, उपभोक्ता का विश्वास, अच्छा व्यवहार तथा ऑन टाइम डिलीवरी पर ध्येय केंद्रीत किया गया है। समय सीमा पर फोकस किया जा रहा है। 24 घंटे, 48 घंटे जैसी समय-सीमा में पार्सल अपने निर्धारित स्थान पर पहुंचाने पर कार्य विभाग करेंगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों के हित में भारतीय डाक व्यवस्था ने अपनी सार्थक भूमिका सिद्ध की है। ब्रिटिश काल से प्रारंभ व्यवस्थाओं को नया स्वरूप मिलता गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आये हैं और डाक विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की ठोस पहल हुई है।

उन्होंने कहा कि एक समय सिर्फ चिट्ठियां पहुंचाने वाला विभाग अब बाबा महाकाल के प्रसाद के वितरण के लिए नई पोस्टल सेवा लागू करने तक अपनी यात्रा तय कर चुका है। डाक घरों के माध्यम से नागरिकों को बीमा योजनाओं, बचत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। खाते प्रारंभ करने से लेकर तीव्र गति से स्पीड पोस्ट और अन्य माध्यमों से ग्राहकों को लाभान्वित किया जा रहा है। ग्रामीण डाक सेवक भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डाक सेवकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने अथक परिश्रम से गांव-गांव तक डाक तथा अन्य जनउपयोगी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने वाले ग्रामीण डाक सेवकों की देश के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक हमारे सैनिक तथा हमारी ताकत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही डाक पहुंचाने की परंपरा रही है। हमारे देश में डाक सेवकों का हृदय से सम्मान रहा है। बदलते दौर में देश के पोस्ट ऑफिस तीव्र गति से कार्य कर रहे हैं। डाक विभाग को तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा रहा है। विभाग को शत प्रतिशत कम्प्युटरीकृत तथा डिजिटलाईज किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन के हित में दिन रात अपनी भूमिका को सराहनीय रूप से निभाने के लिए हमारा डाक विभाग बधाई का पात्र है। सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के अलावा अन्य कई महत्वपूर्ण जीवन उपयोगी कार्यों में भी डाक विभाग की महती भूमिका है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में डाक विभाग नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मध्य प्रदेश में 16 हजार 800 से ज्यादा ऊजार्वान ग्रामीण डाक सेवक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का काम कर रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार पर हाईकमान करेगा फैसला : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

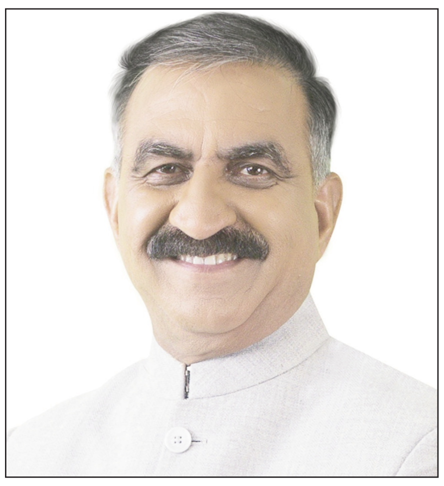

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार का फैसला पार्टी हाईकमान करेगा और पूरी ताकत से अपने प्रत्याशी को जिताएगी। दिल्ली दौरे से लौटने के बाद मंगलवार को पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में मुख्यमंत्री ने ये बात कही।

सुक्खू ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में अभी नामांकन के लिए समय है और हाईकमान सभी पहलुओं पर मंथन करेगा। गौरतलब है कि पिछली बार कांग्रेस विधायकों की बगावत के कारण राज्यसभा सीट पार्टी के हाथ से निकल गई थी। अब नौ अप्रैल को मौजूदा राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी का कार्यकाल पूरा हो रहा है। चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी और नामांकन पांच मार्च तक भरे जाएंगे। मतदान 16 मार्च को होगा और इसी दिन चुनाव परिणाम घोषित होगा।

बता दें कि कांग्रेस की ओर से कई संभावित नाम चर्चा में हैं। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा का नाम प्रमुख है, जो पहले भी राज्यसभा के लिए चुने जा चुके हैं। इसके अलावा पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह की दावेदारी भी एक खेमा आगे बढ़ा रहा है। सुक्खू सरकार में स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल का नाम भी चर्चा में है, जो पूर्व लोकसभा सांसद और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रह चुके हैं। इसके साथ ही पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मंत्री कौल सिंह ठाकुर भी सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि यदि हाईकमान मौका देता है तो वह तैयार हैं।

पिछले राज्यसभा चुनाव का हवाला देते हुए राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि वर्ष 2024 में जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरा हुआ था, तब कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी को उम्मीदवार बनाया था। उस समय विधानसभा में बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव हार गए थे। कांग्रेस के छह विधायकों की बगावत और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन जीत गए थे।

इस बीच मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) के मुद्दे पर भाजपा को प्रदेश हित में सहयोग करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व जयराम ठाकुर सरकार को सबसे ज्यादा आरडीजी मिली थी, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश का कर्ज कम नहीं हुआ और देनदारियों का बोझ बढ़ गया। उन्होंने बताया कि वित्त आयोग ने आरडीजी को न तो खारिज किया है और न ही मंजूर किया है बल्कि रिपोर्ट में इसे ह्लनोटेडह्व लिखा है। ऐसे में केंद्र सरकार परिस्थितियों के अनुसार हिमाचल को आरडीजी दे सकती है। सुक्खू ने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से विस्तृत चर्चा की है।

उन्होंने हिमाचल की तुलना केरल से करने को अनुचित बताते हुए कहा कि संविधान के तहत राजस्व घाटे की भरपाई के लिए आरडीजी दी जाती रही है और इसका केरल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्यमंत्री ने भाजपा से सहयोग की अपील करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने करीब 47 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया और भारी देनदारियां छोड़ीं।

जंतर-मंतर पर संभावित प्रदर्शन को लेकर सुक्खू ने कहा कि यह राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है और इस पर विचार-विमर्श के बाद ही फैसला लिया जाएगा। वहीं दिल्ली स्थित हिमाचल सदन में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को उन्होंने संवैधानिक प्रक्रिया के खिलाफ बताया और कहा कि संबंधित आयुक्त को पहले सूचना दी जानी चाहिए थी। उनके मुताबिक कार्यकताओं ने कमरे विधिवत बुक किए थे और भुगतान भी किया गया था।

मुख्यमंत्री ने एआई इंपैक्ट समिट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन का समर्थन करते हुए यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भान चिब की गिरफ्तारी को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सामान्यतः समझाकर छोड़ दिया जाता है।

देश का खेल बजट 3700 करोड़, यूपीए सरकार से 5 गुणा अधिक : अनुराग सिंह ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश राज्य वॉलीबाल एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जा रही प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि किया। वहीं कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में वॉलीबॉल संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के शुभारंभ मौके पर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मैदान में पसीना बहाने वाले युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य संवारते हैं। उन्होंने नई पीढ़ी को खेलों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा हिमाचल को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में दायित्व संभालने पर देश का खेल बजट 800 करोड़ था, और आज देश का खेल बजट 3700 करोड़ है, जोकि यूपीए सरकार के खेल बजट से लगभग 5 गुणा अधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश में खेल क्रांति लाने के लिए अपनी खेल-खिलाड़ी हित की नीतियों के माध्यम से वचनबद्धता दोहराई है। प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के खिलाड़ियों द्वारा पदक जीतने पर या ना जीत पाने पर दोनों परिस्थितियों में मिलते हैं। खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हैं। आज जब देश 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए तैयारी कर रहा है तो ऐसे में हमारी प्रदेश सरकार को भी इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। प्रदेश में खेलों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ प्रदेश में विभिन्न खेलों में प्रशिक्षकों की नियुक्तियां अति आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ भी अपनी ओर से विभिन्न खेलों में प्रशिक्षकों की नियुक्ति पर गंभीरता पूर्वक कार्य कर रहा है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा स्टेट चैंपियनशिप से खिलाड़ियों को आगे कैंप और सिलेक्शन के चरणों में मौका मिलता है। उधर पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का आधार है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेलों की ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देती हैं और उन्हें नशे व अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रखती हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूती मिलेगी और युवा राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाएंगे।

मिनी हॉफ मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और अपनी ऊर्जा व खेल भावना से वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। अंडर-21 चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की।

हिमाचल की आर्थिक स्थिति पर केंद्र से चर्चा, जयराम ठाकुर ने निर्मला सीतारमण से किया सहयोग का आग्रह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

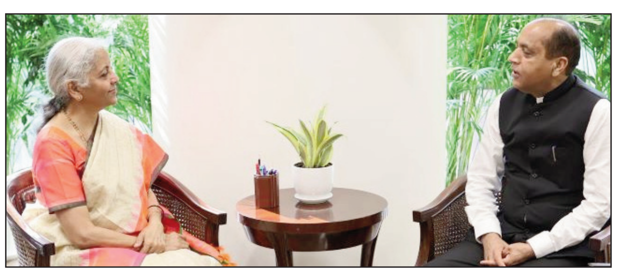

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश की आर्थिक स्थिति और विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने राज्य की वित्तीय सुदृढ़ता, आधारभूत ढांचे के विस्तार, आपदा राहत और विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए अधिकतम केंद्रीय सहायता का आग्रह किया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमाचल के संतुलित और सतत विकास के लिए केंद्र का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश को मिल रहे सहयोग के लिए आभार जताया। उनका कहना था कि विशेष राज्य के दर्जे के कारण केंद्र प्रायोजित 191 योजनाओं में हिमाचल की हिस्सेदारी केवल 10 प्रतिशत है, शेष व्यय केंद्र वहन करता है। उन्होंने दावा किया कि हाल के वर्षों में राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग, फोरलेन, सुरंगों और रेलवे परियोजनाओं के माध्यम से कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के तहत लगभग 3000 करोड़ रुपये की मदद स्वीकृत की है। जायका-द्वितीय परियोजना के अंतर्गत 1617 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण योजना को मंजूरी मिली है, जिससे पांच मेडिकल कॉलेज और 86 स्वास्थ्य संस्थानों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त विश्व बैंक समर्थित 1992 करोड़ रुपये की आपदा पुनर्निर्माण परियोजना में भी केंद्र का बड़ा अंशदान रहेगा। इस दौरान जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए केंद्र से संवाद आवश्यक है और वे हिमाचल के अधिकारों को प्रभावी ढंग से उठाते रहेंगे।

चिट्टा सप्लाई मामले में मुख्य आरोपी डेविड तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल में चिट्टा तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई में शिमला पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पंजाब के जीरकपुर से नेटवर्क चलाने वाले कुख्यात सप्लायर विजय बिहारी उर्फ डेविड की कस्टडी ट्रांसफर कर उसे दोबारा पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ में अंतरराज्यीय सप्लाई नेटवर्क के कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस के अनुसार आरोपी पहले ठियोग के एक एनडीपीएस मामले में न्यायिक हिरासत में था। अब अदालत से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर उसे थाना रामपुर लाया गया है, जहां उसे तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की जा रही है।

दरअसल, रामपुर में हाल ही में पुलिस ने एक वाहन में सवार दो युवकों के कब्जे से 9.26 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान युगल किशोर (35), निवासी एरली, तहसील ननखड़ी और नरेश (23), निवासी शानान, जिला शिमला के रूप में हुई थी। पुलिस रिमांड के दौरान इन दोनों से पूछताछ, मोबाइल सीडीआर, बैंक लेन-देन और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण में खुलासा हुआ कि दोनों ने व्हाट्सएप कॉल के जरिए विजय बिहारी उर्फ डेविड से संपर्क कर चिट्टा खरीदा था। जांच एजेंसियों के मुताबिक डेविड अंतरराज्यीय स्तर पर चिट्टा सप्लाई नेटवर्क से जुड़ा हुआ पाया गया है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि आरोपी के बैंक खातों और बैकवर्ड लिंक को भी खंगाला जा रहा है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

पुलिस ने डेविड को पहले एक अन्य साथी के साथ जीरकपुर से गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया है कि अलग-अलग थानों में दर्ज पांच मामलों में जीरकपुर से विजय उर्फ डेविड ने चिट्टा सप्लाई की थी। इन पांच मामलों में कुल 15 आरोपियों तक करीब 335 ग्राम चिट्टा पहुंचाया गया था। पुलिस को आशंका है कि उसके संपर्क शिमला सहित अन्य जिलों के कई युवाओं तक फैले हो सकते हैं।

आरोपी की पहचान विजय उर्फ डेविड उर्फ बिहारी हारी (28), पुत्र शालिग्राम, निवासी बबियाल राणा कॉम्प्लेक्स, थाना महेश नगर, अंबाला कैंट के रूप में हुई है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह का कहना है कि पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों पर कार्रवाई हो सकती है।

संक्षिप्त-समाचार

उपराज्यपाल सिन्हा ने श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नागरिक एन्क्लेव के व्यापक विस्तार के लिए पीएम मोदी के प्रति किया आभार व्यक्त

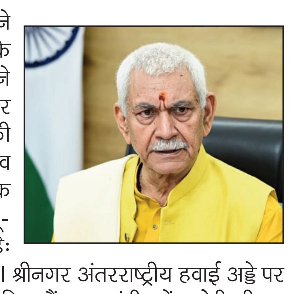

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्तावित 1,677 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले सिविल एन्क्लेव के विकास को मंजूरी दी। एक्स पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने कहा, ह्लजम्मू-कश्मीर का आसमान बुलंद हो रहा है: विमानन के एक नए युग की शुरूआत। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव के व्यापक विस्तार के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभारी हूं। मुझे 25 सितंबर 2021 को श्रीनगर में तत्कालीन वित्त मंत्रालय मंत्री की उपस्थिति में की गई घोषणा भली-भांति याद है। सीसीईए द्वारा 71,500 वर्ग मीटर के नए सिविल एन्क्लेव के लिए 1,677 करोड़ रुपये की मंजूरी घाटी की कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण छलांग है। इसे व्यस्त समय में 2,900 यात्रियों की सेवा और प्रति वर्ष 1 करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता के लिए डिजाइन किया गया है। बेहतर कनेक्टिविटी से अधिक पर्यटक, अधिक निवेश और अधिक रोजगार सुनिश्चित होंगे। श्रीनगर में नया सिविल एन्क्लेव घाटी के आर्थिक भविष्य को उन्नत करेगा और श्रीनगर को एक खूबसूरत पर्यटन स्थल से एक समृद्ध पर्यटन स्थल में बदल देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू हवाई अड्डे का नया टर्मिनल इस वर्ष के अंत तक पूरा होने वाला है। चालू होने पर उन्नत बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा। यह विख्यात आध्यात्मिक शहर संपर्क को मजबूत करेगा और उल्लेखनीय आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगा।

जीएसटी उत्तरी क्षेत्र का उप कार्यालय अब नगरोटा में, बाली ने किया उद्घाटन

धर्मशाला। प्रदेश के चंबा, कांगड़ा, नूरपुर, हमीरपुर, कुल्लू, लाहौल स्पिति यानी 6 जिलों का जीएसटी ऑडिट कार्य नगरोटा बगवां से चलेगा जो कि नगरोटा बगवा विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिये बड़े सम्मान की बात है। यह उद्गार मंगलवार को हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आर.एस. बाली ने संयुक्त आयुक्त, जीएसटी उत्तरी क्षेत्र के उप कार्यालय, कर लेखा परीक्षा इकाई पालमपुर स्थित नगरोटा बगवा कार्यालय का उद्घाटन करने के दौरान कहे। उन्होंने कहा इस कार्यालय के नगरोटा में खुलने से नगरोटा के विकास को और रफ्तार मिलेगी। इस कार्यालय के खुलने से नगरोटा के लोगों को सुविधा होगी वहीं नगरोटा के लोगों को इसका आर्थिक लाभ भी होगा। उन्होंने कहा कांगड़ा जिला में पर्यटन कार्यालय खुलने के बाद अब एक और यह नया कार्यालय नगरोटा और कांगड़ा जिला को मिला है जिसके लिए उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा 102 अधिकारी कर्मचारी इस कार्यालय में तैनात होंगे जिसमें से 32 कर्मचारी यहां तैनात हो गए हैं। इस से पूर्व संयुक्त आयुक्त राकेश भारतीय ने मुख्य अतिथि को इस कार्यालय के कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। आरएस बाली ने आज एचआरटीसी की बस को हरी झंडी दिखाकर लोगों को समर्पित किया। यह बस नगरोटा से वाया नीहुंडा, पधर, चामुंडा और बड़ोह रोड़, चामुंडा जायगी। उन्होंने कहा नीहुंडा, पधर के हजारों लोगों को इस बस का लाभ होगा और अब उनका जीवन पहले से और आसान होगा।

भारत-इथियोपिया संसदीय मैत्री समूह में डॉ. सिकन्दर कुमार नामित

शिमला। हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद डॉ. सिकन्दर कुमार को भारत-इथियोपिया संसदीय मैत्री समूह का सदस्य नामित किया गया है। यह नामांकन 18वीं लोकसभा की अवधि के लिए किया गया है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार संसद में भारत और इथियोपिया के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से यह मैत्री समूह गठित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने डॉ. सिकन्दर कुमार को इस समूह का सदस्य नामित किया है। इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. सिकन्दर कुमार ने कहा कि उन्हें भारत-इथियोपिया संसदीय मैत्री समूह का सदस्य बनाए जाने पर वे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों को और मजबूत करने का अवसर है। संसदीय मैत्री समूहों का उद्देश्य विभिन्न देशों की संसदों के बीच संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ को बढ़ावा देना होता है। माना जा रहा है कि इस समूह के माध्यम से भारत और इथियोपिया के बीच संसदीय स्तर पर संपर्क और सहयोग को नई गति मिल सकती है।

कुत्ता मुंह में ले गया मानव अंग, वायरल वीडियो के बाद सुपरस्पेशलिटी अस्पताल प्रशासन ने बिठाई जांच

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला के चमियाना स्थित सुपरस्पेशलिटी अस्पताल अस्पताल परिसर में कुत्ते के मुंह में मानव अंग दिखाई देने वाले वायरल वीडियो ने हड़कंप मचा दिया। अस्पताल प्रबंधन ने मामले का संज्ञान लेते हुए इसे गंभीरता से लिया है और लापरवाही की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित कर दी है। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी है।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच में पता चला है कि यह घटना कथित तौर पर बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन में हुई लापरवाही से जुड़ी है।

मामले के अनुसार 19 फरवरी को सीटीवीएस विभाग में एक मरीज की घुटने के ऊपर से टांग काटने की सर्जरी की गई थी। ऑपरेशन के बाद कटे हुए अंग को नियमों के अनुसार पैक कर बायोमेडिकल वेस्ट कॉम्प्लेक्स में आगे निपटान के लिए रखा गया था। इस कचरे को अधिकृत एजेंसी एनवायरो इंजीनियर्स द्वारा उठाया जाना था।

फैक्ट फाइंडिंग में सामने आया कि 21 फरवरी की रात जब बायोमेडिकल कचरा कॉम्प्लेक्स में लाया जा रहा था, उस समय ड्यूटी पर तैनात सफाई कर्मियों ने परिसर का दरवाजा खुला और बिना निगरानी के छोड़ दिया। आशंका है कि इसी दौरान एक कुत्ता पैक बैग से कटे हुए अंग को उठा ले गया। अगले दिन कॉम्प्लेक्स के बाहर खाली बैग मिलने पर मामला सामने आया।

बताया गया है कि सफाई कर्मियों ने लापता अंग को तलाशने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद 24 फरवरी को एक कुत्ते को मुंह में वही अंग लेकर घूमते देखा गया। सुरक्षा कर्मियों ने उसे वापस लेने का प्रयास किया, लेकिन कुत्ता आक्रामक हो गया और भाग निकला।

मामले को गंभीर मानते हुए अस्पताल प्रशासन ने नर्सिंग सुपरिटेंडेंट लीला वती, बायोमेडिकल वेस्ट के नोडल अधिकारी राजेश वर्मा और मैट्रन लीला बोध की तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। कमेटी को जिम्मेदारी तय करने, लापरवाही की पहचान करने और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के उपाय सुझाने के निर्देश दिए गए हैं।

इधर, 21 फरवरी की रात ड्यूटी पर मौजूद सफाई कर्मियों और सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। उनके जवाब के आधार पर आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई तय की जाएगी।

अस्पताल प्रशासन ने सफाई ठेकेदार को बायोमेडिकल वेस्ट के सुरक्षित भंडारण और निपटान को सख्ती से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने की जरूरत : डीजीपी

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ लगातार और अथक अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान ये बातें कहीं। डीजीपी के साथ विशेष महानिदेशक (समन्वय) सैयद जावेद मुजतबा गिलानी और कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वीके बर्डी भी मौजूद थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें जिले की मौजूदा सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद विरोधी रणनीतियों और शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे उपायों की जानकारी दी। समीक्षा बैठक के दौरान डीजीपी ने सटीक और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी जुटाने और पाकिस्तानी आतंकवादियों को निष्क्रिय करने तथा उनके समर्थक नेटवर्क को नष्ट करने के लिए निरंतर और अथक अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र में शांति भंग करने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए समन्वित प्रयासों, सामुदायिक भागीदारी और सक्रिय पुलिसिंग के महत्व पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल के कायापलट के लिए 84.41 करोड़ रुपये की बहुक्षेत्रीय विकास परियोजनाओं की शुरूआत की

एजेंसी (हि.स.)
गांदरबल

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र में 84.41 करोड़ रुपये की प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। यह परियोजना जिले भर में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, जल आपूर्ति, स्वच्छता, शिक्षा और सड़क संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभिन्न विभागों से संबंधित इन परियोजनाओं का उद्घाटन और ई-लॉन्च विभिन्न स्थानों पर किया गया जो संतुलित और समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बीहामा में मुख्यमंत्री ने आवास एवं शहरी विकास विभाग (एच एंड यूडी-यूएलबी) के अंतर्गत गांदरबल शहर के 770 लाख रुपये की सौंदर्यीकरण एवं विकास परियोजना का शिलान्यास किया जिसका क्रियान्वयन पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाएगा। इस परियोजना में एक भव्य प्रवेश द्वार और एक नगर निगम अतिथि गृह का निर्माण, नगर निगम टर्मिनल भवन का स्मार्ट पुस्तकालय में उन्नयन, खेल के मैदानों और क्लब सुविधाओं का विकास, और पक्की सड़कों और पगडंडियों का व्यापक सुधार शामिल है। इसमें स्ट्रीट लाइट और कूड़ेदान लगाने के साथ-साथ शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए इमारत के बाहरी हिस्से में सुधार, भित्ति चित्र और बाजार का रंग-निर्धारण भी शामिल है। उन्होंने बस अड्डा को जिला अस्पताल से जोड़ने वाली 750.78 लाख रुपये की सड़क परियोजना की आधारशिला रखी जिसमें मीरानी चौक का चौड़ीकरण भी शामिल है जिसका उद्देश्य यातायात जाम को कम करना और कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

इसी तरह जिला अस्पताल गांदरबल में मुख्यमंत्री ने डीएचएसके के माध्यम से स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 840 लाख रुपये की लागत से स्थापित सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन किया जिससे मरीजों के लिए निदान सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसी प्रकार राखी हर्रान में उन्होंने गांदरबल नगर परिषद की प्रयुक्त जल प्रबंधन परियोजना (एसबीएम 2.0) के तहत 1,999.20 लाख रुपये की लागत से निर्मित 4.5 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की आधारशिला रखी। इस प्लांट से शहर में स्वच्छता मानकों और पर्यावरणीय स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। गांदरबल स्थित डाक बंगले से गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ई-उद्घाटन किया। इनमें 679.14 लाख की लागत से निर्मित उर्पश नादेरबाग जल आपूर्ति योजना (डब्ल्यूएसएस), 399 लाख की लागत से निर्मित बुदेरकुंड डब्ल्यूएसएस और 130 लाख की लागत से निर्मित मानसबल डब्ल्यूएसएस शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं को जल शक्ति विभाग और जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण जल आपूर्ति प्रभाग, गांदरबल द्वारा कार्यान्वित किया गया है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र में 1,288.40 लाख की लागत से विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्यों और स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत 902.69 लाख की लागत से जिले के स्कूलों में विभिन्न बुनियादी ढांचे के सुधार कार्यों की ई-आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत 302.11 लाख की लागत से ट्रीसा सफापोरा की आंतरिक संपर्क सड़कों जिनमें गांदरबल के लार में चेक यांगारू की संपर्क सड़कें भी शामिल हैं के उन्नयन और 379.62 लाख की लागत से कोहिस्तान कॉलोनी नहर सड़कों के सुधार और उन्नयन तथा संबंधित कार्यों की ई-आधारशिला भी रखी।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि विकास का अर्थ लोगों के दैनिक जीवन में ठोस सुधार होना चाहिए। ह्लस्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता से लेकर सड़कों, स्कूलों और पेयजल तक, ये परियोजनाएं गांदरबल के व्यापक विकास को सुनिश्चित करने के हमारे संकल्प को दर्शाती हैं। हमारा ध्यान केवल घोषणाओं पर नहीं बल्कि समय पर क्रियान्वयन और गुणवत्तापूर्ण परिणामों पर है,ह्व उन्होंने कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहरी सौंदर्यीकरण, स्वच्छ जल आपूर्ति, आधुनिक स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना और सड़क संपर्क में निवेश से न केवल सार्वजनिक सेवाएं मजबूत होंगी बल्कि आर्थिक अवसर भी पैदा होंगे और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार होगा।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

बुजुर्ग हमारे लिए बहुत आदरणीय, सरकार ने बुजुर्गों का हमेशा सम्मान किया है: नायब सिंह सैनी

कांग्रेस के समय में बुजुर्गों को कई-कई महीने पेंशन के लिए करना पड़ता था इंतजार

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बुजुर्ग हमारे सम्मानीय हैं और उनकी सुरक्षा और सम्मान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र के दौरान पेंशन काटने के संबंध में एक सवाल के संबंध में बोल रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संकल्प पत्र में यह स्पष्ट किया है कि 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग यदि किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं, तो उनके परिवार को ईलाज की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उनके ईलाज की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार ने व्यवस्था करते हुए 5 लाख रुपये तक राशि सुनिश्चित कर रखी है।

उन्होंने पेंशन को लेकर विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा पेंशन बंद किए जाने को लेकर विपक्ष अफवाहें फैला रहा है। यह अफवाहें फैलाकर पाप कर रहे है कि बुजुर्गों की पेंशन काट दी गई है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के बीच ऐसा भ्रम फैलाना पूरी तरह गलत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पेंशन काटी नहीं है, बल्कि उसमें बढ़ोतरी कर उनके सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। प्रदेश में आज बुजुर्गों को उनके मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से सूचना मिलती है कि उनकी पेंशन बैंक खाते में जमा हो गई है। वे आसानी से बैंक से राशि निकाल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार के समय की तुलना करते हुए कहा कि पहले बुजुर्गों को कई महीनों तक पेंशन नहीं मिलती थी। उन्हें कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। गर्मी और दूरी में परेशानियां होती थीं, और उनकी कोई सुध लेने वाला नहीं था।

उन्होंने कहा कि पेंशन के संबंध में यदि कोई शिकायत आती है तो उसे सत्यापित करना सरकार की जिम्मेदारी है। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान पेंशन को होल्ड कर दिया जाता है, लेकिन सत्यापन पूरा होते ही राशि जारी कर दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने बुजुर्गों के लिए पारदर्शी, सम्मानजनक और सुविधाजनक व्यवस्था बनाई है।

लाल डोरे से 5 किलोमीटर तक के डेरे-ढाणियों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति का निर्णय

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में सरकार की नीति के अनुसार 11 घरों को एक ढाणी अथवा डेरा माना जाता था, अब जहां 11 सदस्य निवास कर रहे हैं, उसे डेरा या ढाणी के रूप में मान्यता दी जा रही है। इसके साथ ही लाल डोरे से एक किलोमीटर की परिधि में आने वाले ऐसे डेरे एवं ढाणियों को ह्यम्हारा गांवझजगमग गांवह्ल योजना की तर्ज पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही थी। हरियाणा विधानसभा के शून्यकाल के दौरान श्रीमती मंजू चौधरी द्वारा डेरे व ढाणियों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के मुद्दे को उठाए जाने पर विकास एवं मंत्री श्री पंवार ने सदन को सरकार की नीति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सदन को यह भी अवगत कराया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जनप्रतिनिधियों की मांग को स्वीकार करते हुए बड़ा निर्णय लिया है। अब लाल डोरे से एक किलोमीटर की सीमा को बढ़ाकर 5 किलोमीटर कर दिया गया है। इस निर्णय के तहत अब लाल डोरे से 5 किलोमीटर की परिधि में आने वाले सभी डेरे एवं ढाणियों को ह्यम्हारा गांवझजगमग गांवह्ल योजना के अनुरूप 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति को और अधिक मजबूती मिलेगी। सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है, और यह निर्णय उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लाडवा में कृषि विकास मेला 28 फरवरी से 1 मार्च तक

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक दो दिवसीय कृषि विकास मेला अनाज मंडी लाडवा (कुरुक्षेत्र) में लगाया जाएगा। इस मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण-प्रति बूंद से अधिक फसल रखा गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को जल प्रबंधन की उन्नत तकनीक से अवगत कराना तथा कम पानी में अधिक उत्पादन की दिशा में प्रेरित करना है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने बताया कि कृषि विकास मेले के दौरान कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत किस्म के बीजों तथा नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों के लिए मिट्टी एवं पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त रोग ग्रस्त फसलों की जांच एवं निदान, फसल प्रतियोगिता, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी तथा कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन भी किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि कृषि विकास मेले में खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी एवं बिक्री, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों की बिक्री तथा हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहेंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने प्रदेश के सभी किसानों, कृषि अधिकारियों, प्रगतिशील किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों से अपील करते हुए कहा कि वे दो दिवसीय इस मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर वैज्ञानिक तकनीक का लाभ उठाएं और अपनी आय में वृद्धि करें।

पांच दिवसीय सांग महोत्सव: हीरामल जमाल, जानी चोर, बणदेवी, गोपीचंद और चंद्रप्रभा मदनपाल सांग का हुआ मंचन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार योजना के अंतर्गत हरियाणा कला परिषद के कला कीर्ति भवन में 23 फरवरी से 27 फरवरी तक चलने वाले सांग महोत्सव में दूसरे दिन हरियाणा के पांच अलग-अलग सांग दलों ने सांग मंचन किये। इस मौके पर निर्णायक मंडल में पद्मश्री महाबीर गुड्डू, लोक कलाकार प्रेम सिंह देहाती, प्रो. रामनिवास सहरावत तथा डा. हनीफ खान ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। मंच का संचालन रामनिवास शर्मा द्वारा किया गया। सांग उत्सव में कुलदीप सांगी द्वारा हीरामल जमाल, संजय सांगी ने जानी चोर, सुभाष ने बणदेवी, सतपाल सांगी ने गोपीचंद तथा नितिन कुमार ने चंद्रप्रभा मदनपाल की प्रस्तुति दी।

धनपत सिंह प्रणाली से कुलदीप सांगी द्वारा हीरामल जमाल के किस्से का मंचन करते हुए दिखाया गया कि एक गांव में बनिया का बेटा हीरामल रहता है जो बेहद विद्वान है। उसी गांव में कमरुदीन नामक एक मुसलमान रहता है जो हीरामल का परम मित्र है। दोनों अपनी दिनचर्या साथ.साथ शुरू करते और एक दूसरे के सहयोगी बने रहते। एक दिन हीरामल मुसलमानों की बस्ती से जा रहा होता है कि वहां हीरामल एक मुस्लिम लडकी जमाल को कुरान पढ़ते हुए देखता है। हीरामल जमाल को कहता है कि वह कुरान गलत पढ़ रही है। जमाल हीरामल से कुरान का सही पाठन करने को कहती है। कुरान के पाठन के दौरान दोनों में गहरी मित्रता हो जाती है। हीरामल प्रतिदिन जमाल को कुरान पढ़ाने आता है। हीरामल के पिता को जब इस बारे में पता चलता है तो वह हीरामल पर क्रोध करते हैं और उसे मुसलमानों की बस्ती में जाने से मना कर देते हैं। लेकिन हीरामल अपने पिता की बात को अनदेखा कर जमाल से मिलना जारी रखता है।

एक दिन मुसलमानों की बस्ती में चोर घुस जाते हैं जिसका पिछा करते हुए पुलिस वहां पहुंच जाती है। मुसलमान बस्ती में एक हिंदू को देखकर पुलिस हीरामल को कैद कर लेती है। हीरामल जब अपने विषय में पुलिस को बताता है तो पुलिस हीरामल के परिवारवालों को हीरामल की जमानत के लिए बुलाती है। लेकिन हीरामल के परिजन हीरामल को पहचानने से इंकार कर देते हैं। तब हीरामल का मुसलमान मित्र कमरुदीन हीरामल की जमानत देकर उसे छुड़ा लेता है। इस प्रकार हिंदू-मुस्लिम रिश्तों की मिसाल देते सांग हीरामल जमाल का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया।

सूबेलाल प्रणाली से सुभाष सांगी ने बणदेवी सांग का मंचन करते हुए दिखाया कि राजकुमार कणकर्त अपने लाव लश्कर के साथ शिकार खेलने के लिए घने जंगल में जाते हैं। शिकार के दौरान वह अपने साथियों से बिछड़ जाते हैं और एक जलाशय के पास आराम करने लगते हैं। ठीक उसी समयए वन की देवी बणदेवी अपनी सखियों के साथ वहां फूल चुनने आती हैं। राजकुमार कणकर्त बणदेवी के रूप को देखकर मोहित हो जाते हैं। राजकुमार बणदेवी के सामने आते हैं। दोनों के बीच संवाद रागनियों के माध्यम से प्रस्तुत कर कलाकारों ने वाहवाही बटौरी। राजकुमार अपना परिचय देते हैं और बणदेवी से विवाह का प्रस्ताव रखते हैं। बणदेवी राजकुमार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती हैं, लेकिन वह एक शर्त रखती हैं कि राजकुमार को उनके साथ वन में ही रहना होगा और राजमहल के सुखों को त्यागना होगा। राजकुमार कणकर्त बणदेवी की बात मानकर वन में रहने लगते हैं। राजकुमार कणकर्त के घर से चले जाने के कारण उनके माता पिता परेशान हो जाते हैं और उन्हें ढूंढने के लिए निकल पड़ते हैं। राजकुमार बणदेवी के प्रेम और अपने कर्तव्य के बीच में फंस जाते हैं और कहानी आगे बढ़ती रहती है।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री खेत-खलिहान योजना से ग्रामीण ढांचे को मिल रही मजबूत: कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की सुविधा और ग्रामीण ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री खेत-खलिहान योजना के अंतर्गत खेतों के एक से चार करम तक के गौहर (खेती मार्ग) के रास्तों को पक्का करने की एक अनूठी पहल शुरू की गई है। श्री कृष्ण लाल पंवार आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में विधायक श्री मोहम्मद इजराइल द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार ग्रामीण विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक विधायक को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में 25 किलोमीटर तक के गौहर मार्गों को पक्का करवाने का अधिकार दिया गया है, ताकि किसानों को खेतों तक आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और कृषि कार्य सुगमता से संपन्न हो सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में किसी भी विधायक द्वारा भेजी गई मांग उनके पास लंबित नहीं है। मंत्री ने यह भी कहा कि विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एलएडी फंड) के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों में भी किसी प्रकार की देरी नहीं है और किसी भी विधायक की फाइल उनके पास लंबित नहीं है। सरकार पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई के साथ विकास कार्यों को गति दे रही है।

गुरु रविदास धाम, उमरी के निर्माण पर 125 करोड़ रुपये होंगे खर्च

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज से संबंधित मुद्दे पर सदन को अवगत कराते हुए बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र जिले के उमरी में गुरु रविदास धाम के निर्माण के लिए 5 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई है। श्री कृष्ण लाल पंवार ने यह जानकारी आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के समय विधायक श्री नरेश सेलवाल द्वारा उठाए गए मुद्दे के उत्तर में सदन को दी। उन्होंने बताया कि इस धाम परिसर में छात्रावास, लंगर हॉल, संत गुरु रविदास जी महाराज की भव्य प्रतिमा तथा संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 125 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, जिनमें से लगभग 90 करोड़ रुपये के कार्यों के टेंडर जारी किए जा चुके हैं। श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि कुछ सदस्यों द्वारा इस विषय पर आपत्ति जताई जा रही है, जबकि जीटी रोड के साथ लगती इस 5 एकड़ भूमि का बाजार मूल्य ही 50 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसे सरकार ने संत गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर निःशुल्क उपलब्ध कराया है। यह निर्णय समाज के सभी वर्गों के सम्मान और संत परंपरा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार संतों-महापुरुषों की शिक्षाओं के संरक्षण एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राज्य में जल्द ही नए 450 डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी : आरती सिंह राव

चंडीगढ़ । हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि जल्द ही प्रदेश में नए 450 डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी , भविष्य में प्रदेश में डॉक्टरों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा डॉक्टरों की कमी से संबंधित उठाए गए मुद्दे पर जवाब दे रही थी। आरती सिंह राव ने कहा कि वर्तमान सरकार ने मात्र एक वर्ष में 1400 से ज्यादा डॉक्टरों की भर्ती की है जबकि वर्ष 2014 से पहले शायद एक साल में इतने ज्यादा डॉक्टर कभी भी नहीं लगाए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में जहां -जहां आवश्यकता होगी, वहां -वहां डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एनएचएम के माध्यम से 150 स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भर्ती की गई है और पीजी डिग्री करके आये नए 150 डॉक्टरों की भर्ती भी जल्द ही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी समय में भी डॉक्टर एवं स्पेशलिस्ट की भर्ती की जाती रहेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों को योग के प्रति प्रोत्साहित किया है। हरियाणा में भी राज्य सरकार योग को महत्व देकर प्रत्येक गांव में योग सहायक की नियुक्ति कर रही है ताकि प्रदेश की जनता स्वस्थ रह सके।

मैसानी बैराज से आने वाले दूषित पानी की समस्या का होगा स्थायी समाधान : राव नरबीर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि राजस्थान के धारूहेड़ा क्षेत्र से रेवाड़ी जिले के मैसानी बैराज में आने वाले दूषित पानी के कारण आसपास के 16 से 17 गांवों की उपजाऊ भूमि प्रभावित हो रही है। इस पानी में रासायनिक अपशिष्ट (केमिकल वेस्ट) की मात्रा अधिक होने से कृषि भूमि की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सिंचाई विभाग को व्यापक योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री राव नरबीर सिंह हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शून्य काल में विधायक अर्जुन चौटाला द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने सदन को बताया कि हाल ही में उनकी केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक हुई, जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। बैठक में इस विषय पर गंभीर चर्चा की गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मैसानी बैराज में आने वाले पानी का प्रवाह प्राकृतिक है, जिसे पूरी तरह रोका नहीं जा सकता। ऐसे में व्यावहारिक समाधान के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (ठल्ल-48) से जुड़ी एक समग्र योजना तैयार की जाएगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 150 करोड़ रुपये होगी, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठल्लअक) द्वारा 100 करोड़ रुपये तथा हरियाणा और राजस्थान सरकार द्वारा 25-25 करोड़ रुपये का योगदान दिया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित योजना के तहत इस पानी को उपचारित कर सिंचाई के कार्य में उपयोग करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा और भूमि की उत्पादकता को बचाया जा सकेगा।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पूर्व में धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र से दूषित पानी आने की समस्या थी, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के प्रयासों से राजस्थान की ओर बैराज का निर्माण करवाने के बाद स्थिति में सुधार हुआ है। पिछले दो-तीन महीनों से औद्योगिक क्षेत्र से दूषित पानी का प्रवाह बंद है, जिससे राहत मिली है।

स्वच्छता सर्वे में फिसड्डी शहर, सरकार के दावों की खुली पोल: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/सिरसा

हरियाणा में हाल ही में सामने आई स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट ने राज्य सरकार के दावों की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहर, जो प्रदेश के राजस्व में 70 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, स्वच्छता के मामले में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वालों में शामिल पाए गए हैं। 10 में से मात्र 4.5 अंक मिलना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि शहरी विकास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं दी गई। यह बात सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आज मीडिया को जारी एक बयान में कही। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्ट में यह तथ्य भी सामने आया है कि कई नगर निकायों में 50 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। जब निरीक्षण, मॉनिटरिंग और कचरा प्रबंधन

से जुड़े महत्वपूर्ण पद खाली हो, तो व्यवस्थाओं का प्रभावित होना स्वाभाविक है। यह स्थिति प्रशासनिक कमजोरी को दशार्ती है, जिसे समय रहते सुधारना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डबवाली और सिरसा सहित प्रदेश के कई शहरों की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। करोड़ों रुपये सफाई व्यवस्था पर खर्च होने के बावजूद बाजारों, गलियों और कॉलोनियों में कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं। नगर परिषदों द्वारा निजी कंपनियों को ठेके दिए जाने के बावजूद डोर-टू-डोर कलेक्शन, कचरा पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्मार्ट सिटी और स्वच्छता को लेकर किए गए बड़े दावों के बीच सरकार की अपनी सर्वे रिपोर्ट ही जमीनी हकीकत सामने ला रही है। इससे प्रतीत होता है कि ह्यगार्बेज मैनेजमेंटह्ल व्यवस्था की पारदर्शिता और कार्यक्षमता की गंभीर समीक्षा की आवश्यकता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि प्रदेश की जनता स्वच्छ वातावरण और बेहतर शहरी सेवाओं की अपेक्षा रखती है। सरकार से मांग है कि वह रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करे, कचरा प्रबंधन प्रणाली की निष्पक्ष समीक्षा कराए, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाए तथा नगर निकायों की नियमित और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करे। स्वच्छता जनस्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है।

कुरुक्षेत्र की धरती से एसकेएम ने किया ट्रेड डील के विरोध का ऐलान, देशभर में करेंगे महापंचायतें

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- 9 मार्च को दिल्ली में किसान मजदूर लगाएंगे सदन
- 10 मार्च से लेकर 13 अप्रैल तक देश भर में किए जाएंगे महापंचायत

जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में आज संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक हुई। इस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा के कई किसान संगठन शामिल हुए। 7 राज्यों से किसान नेता इस बैठक में पहुंचे और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के विरोध में रणनीति बनाई गई है। पदाधिकारी ने कहा कि 9 मार्च से लेकर 13 अप्रैल तक संयुक्त किसान मोर्चा पूरे देश में कई कार्यक्रम करेगा। उन्होंने कहा कि 9 मार्च को सबसे पहले दिल्ली में जंतर मंतर पर किसान मजदूर पार्लियामेंट लगाएगा। और उसके बाद 10 मार्च से लेकर 13 अप्रैल तक पूरे देश भर में किसान महापंचायत की जाएगी। किसान नेता राकेश टिकैट ने कहा कि अगर पड़ोसी देश के साथ संबंध अच्छे रहते तो आज अमेरिका को यह दबाव बनाने का मौका नहीं मिलता और ना ही देश के प्रधानमंत्री को इस ट्रेड डील के लिए मजबूर होना पड़ता। राकेश टिकैट ने एप्सटीन फाइल में देश के नेताओं के नाम के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि देश के कुछ नामी नेता और उद्योगपति का नाम उस फाइल में है। उन्होंने कहा कि देश की यह लोग वहां सेक्सुअल हैरेसमेंट के लिए नहीं जाते थे बल्कि जवान युवाओं का खून इंजेक्शन के माध्यम से अपने शरीर में लगवाने जाते थे जवान युवाओं का खून इंजेक्शन के माध्यम से लगवाने जाते थे। इसीलिए आज सरकार चलाने वाले कुछ नेता घोड़े की तरह दौड़ रहे हैं।

पर्सनालिटी डेवलपमेंट और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दे विद्यार्थी: प्रो. तेजेंद्र शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में अटल संचार भवन स्थित जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया की अध्यक्षता में कॉर्पोरेट संसाधन केंद्र (रूसा प्रोजेक्ट) एवं जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला ह्यकॉरपोरेट स्किल डेवलपमेंट इन मास कम्युनिकेशनह्ल के दूसरे दिन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सलोनी पवन दिवान तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उत्कर्ष मंगल विद्यार्थियों से रू-ब-रू हुए।

डॉ. सलोनी पवन दीवान ने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम से ही सफलता संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय और वातावरण के अनुरूप आत्म मूल्यांकन व आत्मविश्लेषण करने की प्रेरणा दी। दैनिक दिनचर्या को व्यवस्थित करने तथा महान व्यक्तित्वों की जीवनशैली से सीख लेने का आह्वान करते हुए डॉ. उत्कर्ष मंगल ने अपने जीवन के उतार-चढ़ावों के उदाहरण साझा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अच्छा सीखने के लिए पहले सुनना, पढ़ना और स्वयं का मूल्यांकन करना आवश्यक है।

दूसरे सत्र में प्रोफेसर तेजेंद्र शर्मा ने कहा कि आधुनिक युग में एक विद्यार्थी की सफलता केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उसके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास और एक मजबूत पर्सनल ब्रांड के निर्माण पर निर्भर करती है। उनका मानना है कि विद्यार्थियों को अपनी डिग्री के साथ-साथ आत्मविश्वास, प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स और निरंतर सीखने की आदत को आत्मसात करना चाहिए, क्योंकि यही गुण उन्हें पेशेवर दुनिया की भीड़ में एक विशिष्ट पहचान दिलाते हैं।

मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरदीप जोशी ने कहा कि मीडिया और मनोविज्ञान एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं, क्योंकि मीडिया लोगों की सोच, भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि तनाव प्रबंधन वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक दबाव को संतुलित कर स्वस्थ व सकारात्मक जीवन जीने की क्षमता विकसित करता है।

संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस पाँच दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी कौशल विकास करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ह्यस्किलह्ल पर आधारित है और कार्यशालाओं से प्राप्त प्रशिक्षण उनके भविष्य के लिए कौशल-आधारित संपत्ति सिद्ध होगा।

कार्यशाला की सह-संयोजिका असिस्टेंट प्रोफेसर रोमा सिंह ने बताया कि ह्यकॉरपोरेट स्किल डेवलपमेंट इन मास कम्युनिकेशनह्ल के माध्यम से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों एवं मीडिया क्षेत्र के विशेषज्ञों का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। संयोजक डॉ. आबिद अली ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों की कॉरपोरेट एवं औद्योगिक कौशल को निखारने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। दूसरे सत्र में प्रोफेसर तेजेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशल एवं मीडिया उद्योग की वर्तमान चुनौतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

संपादकीय

'बंगाल वोटर लिस्ट पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम: आर्टिकल 142 से लोकतंत्र को नई मजबूती'

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान के दिन से तय नहीं होती, बल्कि उससे पहले की पूरी चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला हैं। जब मतदाता सूची को लेकर शंकाएँ उत्पन्न होती हैं, तो स्वाभाविक रूप से चुनाव की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठते हैं। ऐसे संवेदनशील समय में सुप्रीम कोर्ट द्वारा संविधान के अनुच्छेद 142 का उपयोग करते हुए हस्तक्षेप करना एक दूरदर्शी और सकारात्मक संवैधानिक कदम के रूप में सामने आया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि 'इलेक्टोरल रोल की शुद्धता और पवित्रता' बनाए रखना जितना आवश्यक है, उतना ही 'प्रक्रिया की निष्पक्षता' सुनिश्चित करना भी अनिवार्य है। मतदाता सूची किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ है। यह केवल नामों का संकलन नहीं, बल्कि नागरिकों के मताधिकार की आधिकारिक मान्यता है। यदि पात्र मतदाताओं के नाम सूची से छूट जाएँ या प्रक्रियागत खामियों के कारण वे अपने अधिकार से वंचित रह जाएँ, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा को आहत करता है। पश्चिम बंगाल में पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में नामों के जोड़े और हटाए जाने को लेकर विभिन्न पक्षों ने चिंता व्यक्त की। इन परिस्थितियों में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप इस विश्वास को मजबूत करता है कि भारतीय संविधान नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए पर्याप्त और सक्षम है। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने की विशेष शक्ति प्रदान करता है। सामान्यतः न्यायालय प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सीमित दखल देता है, किंतु जब व्यापक जनहित और संवैधानिक मूल्यों पर प्रश्न खड़े हों, तब यह प्रावधान सक्रिय होता है। बंगाल के संदर्भ में अदालत ने यह स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया केवल तकनीकी औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों का मूल आधार है। यदि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता या निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न हो, तो न्यायपालिका का दायित्व है कि वह संतुलन स्थापित करे। इस निर्णय की विशेषता यह है कि अदालत ने शुद्धता और निष्पक्षता को एक-दूसरे के पूरक तत्व के रूप में देखा। केवल मतदाता सूची को अद्यतन कर देना पर्याप्त नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और समान अवसर प्रदान करने वाली हो। लोकतंत्र में विश्वास तभी कायम रहता है, जब नागरिकों को यह भरोसा हो कि उनका नाम सूची में सुरक्षित है और किसी प्रशासनिक चूक के कारण उनका अधिकार प्रभावित नहीं होगा। चुनाव आयोग की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय है। एक संवैधानिक संस्था के रूप में आयोग का दायित्व है कि वह चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि वे चुनावी तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में सहायक हैं। यह किसी संस्था की आलोचना नहीं, बल्कि संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर रहकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक विश्वसनीय बनाने का प्रयास है। पश्चिम बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से सक्रिय और प्रतिस्पर्धी राज्य में मतदाता सूची को लेकर विवाद होना असामान्य नहीं है। किंतु जब मताधिकार का प्रश्न सामने आता है, तो संवैधानिक संरक्षण सर्वोपरि हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि किसी भी नागरिक का नाम केवल प्रक्रियागत कमी के कारण सूची से बाहर न रहे। यह कदम लोकतांत्रिक समानता के सिद्धांत को मजबूत करता है और नागरिकों को यह संदेश देता है कि न्यायपालिका उनके अधिकारों की संरक्षक है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। जनसंख्या में परिवर्तन, स्थानांतरण, नए मतदाताओं का पंजीकरण और अन्य कारणों से सूची में संशोधन आवश्यक होते हैं। किंतु यह प्रक्रिया जितनी नियमित है, उतनी ही संवेदनशील भी। पारदर्शिता, पर्याप्त सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के अवसर यदि स्पष्ट रूप से उपलब्ध हों, तो विवाद की संभावना कम हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने हस्तक्षेप के माध्यम से यह रेखांकित किया कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपना दावा प्रस्तुत करने का अवसर मिलना चाहिए। इससे प्रक्रिया अधिक सहभागी और जवाबदेह बनती है। अनुच्छेद 142 के प्रयोग को लेकर कभी-कभी यह आशंका व्यक्त की जाती है कि कहीं न्यायपालिका अन्य संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण तो नहीं कर रही। किंतु इस प्रकरण में अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि उसका उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में हस्तक्षेप करना नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना है। लोकतंत्र में संस्थाओं के बीच संतुलन आवश्यक है, और जब यह संतुलन डगमगाता दिखाई दे, तब न्यायपालिका का हस्तक्षेप व्यवस्था को स्थिर करता है। इस निर्णय का प्रभाव केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे देश के लिए एक मार्गदर्शक उदाहरण है कि मतदाता सूची की शुद्धता और प्रक्रिया की निष्पक्षता लोकतंत्र की प्राथमिक शर्त हैं। चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता उसी समय सुनिश्चित होती है, जब प्रारंभिक चरण से लेकर अंतिम मतदान तक हर प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष हो। सुप्रीम कोर्ट का यह कदम चुनावी सुधार की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। अंततः, लोकतंत्र की मजबूती नागरिकों के विश्वास पर टिकी होती है। जब सर्वोच्च न्यायालय यह कहता है कि मतदाता सूची की पवित्रता और प्रक्रिया की निष्पक्षता दोनों अनिवार्य हैं, तो वह लोकतांत्रिक मूल्यों को पुनः पुष्ट करता है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में लिया गया यह निर्णय दशार्ता है कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था जीवंत और सजग है। न्यायपालिका, कार्यपालिका और चुनाव आयोग जैसी संस्थाएँ मिलकर लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने का कार्य करती हैं। इस प्रकरण ने यह सिद्ध कर दिया है कि संविधान केवल एक लिखित दस्तावेज नहीं, बल्कि न्याय और संतुलन का जीवंत माध्यम है। अनुच्छेद 142 का विवेकपूर्ण उपयोग यह दशार्ता है कि जब भी नागरिक अधिकारों पर प्रश्नचिह्न लगेगा, तो संवैधानिक तंत्र सक्रिय होकर समाधान प्रस्तुत करेगा। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति और उसकी स्थायी विश्वसनीयता का आधार है।

विदेश भेजने की होड़ और बदलती मानसिकता

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना-यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है।

धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है? क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं?

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकल कर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है।

विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है।

आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है।

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं- खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है।

समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है।

आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं- भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी।

समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं- विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सब यहीं से शुरू हुआ है।

एक और चिंता का विषय प्रतिभा का देश से बाहर जाना भी है। कई वर्षों तक 'ब्रेन ड्रेन' की चर्चा होती रही है। हालांकि अब स्थिति बदल रही है और कई लोग विदेश से अनुभव लेकर वापस भी लौट रहे हैं। फिर भी यह जरूरी है कि देश का युवा अपने देश की संभावनाओं पर विश्वास बनाए रखे। अगर योग्य लोग ही देश से दूर चले जाएंगे तो विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है।

माता-पिता, शिक्षक और समाज- तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।विदेश जाना विकल्प हो सकता है, लेकिन लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य होना चाहिए- योग्यता, आत्मनिर्भरता और सार्थक जीवन। जब यह सोच समाज में मजबूत होगी, तब शायद विदेश भेजने की अंधी दौड़ अपने आप धीमी पड़ जाएगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यस्थल पर टीम भावना के साथ काम करना आपकी सफलता की कुंजी बनेगा। कानूनी मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। मार्केटिंग और सेल्स से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ होगा। हालांकि अचानक बड़े खर्च सामने आ सकते हैं, इसलिए बजट संतुलित रखें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह हो सकता है। प्रोफेशनल जीवन में आय बढ़ने के अवसर मिलेंगे। परिवार में शांति और सौहार्द बना रहेगा। आज घूमने-फिरने या छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: सुबह कुछ तनावपूर्ण रह सकती है, लेकिन दिन चढ़ने के साथ स्थितियां सुधरेंगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता रहेगी। कामकाज में नई सोच अपनाने से लाभ होगा। जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना आवश्यक है। दोपहर बाद मन हल्का और सकारात्मक महसूस होगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: घर-परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में उम्मीद से कम आय हो सकती है, इसलिए धैर्य रखें। लंबी यात्रा टालना बेहतर रहेगा। बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने से बचें। प्रेम संबंधों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल समय है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज किसी नए प्रोजेक्ट की शुरूआत कर सकते हैं। राजनीति या प्रशासन से जुड़े लोगों को पदोन्नति के संकेत हैं। नौकरी के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। पेट से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात संभव है और निजी उलझनें सुलझेंगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक है। पुरानी देनदारियां चुकाने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ मधुर समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रॉपर्टी या रियल एस्टेट में निवेश फायदे का सौदा साबित हो सकता है। कार्य समय पर पूरे होंगे। *(सिटी दर्पण)*

तुला: अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। परिवार में थोड़ी अस्थिरता रह सकती है। ऑफिस में चुनौतियां आएंगी, लेकिन धैर्य से काम लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। दूसरों की आलोचना में समय न गँवाएं। *(सिटी दर्पण)*

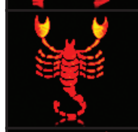
वृश्चिक: सुबह की उलझनें शाम तक सुलझ सकती हैं। हेल्थ को लेकर लापरवाही न करें। नौकरी के साथ अतिरिक्त आय के विकल्प पर विचार कर सकते हैं। परिवार के सुझाव आपके लिए लाभकारी रहेंगे। जरूरी काम टालने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: यदि नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। दिन की शुरूआत तनावपूर्ण होगी, लेकिन बाद में अटके काम पूरे होंगे। कुछ लोग आपके प्रयासों को नजरअंदाज कर सकते हैं, फिर भी आत्मविश्वास बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज के दिन दांपत्य जीवन में पारदर्शिता जरूरी है। छात्रों को परीक्षा को लेकर दबाव महसूस हो सकता है। विदेश यात्रा में अड़चन आ सकती है। स्वास्थ्य और रिश्तों को प्राथमिकता दें। प्रेम संबंधों में मतभेद से बचें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कार्यस्थल की व्यवस्था सुधारने पर ध्यान देंगे। नए प्रोजेक्ट शुरू हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। पाचन संबंधी दिक्कत हो सकती है। सरकारी कामों में लाभ मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

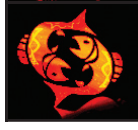
मीन: आज के दिन आय के नए रास्ते खुल सकते हैं। आज के दिन निवेश से लाभ के संकेत हैं। आज के दिन भाग्य का साथ मिलेगा और वरिष्ठों का समर्थन भी। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क मजबूत होंगे। *(सिटी दर्पण)*

विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र?

शैक्षणिक स्वतंत्रता, ज्ञान की खोज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ऐसी चीजें हैं जिन पर विश्वविद्यालय अक्सर गर्व करते हैं। हालांकि, कुछ वामपंथी और इस्लामी वैचारिक समूह इनका दुरुपयोग समाज में असमानता और कई कॉलेजों में राष्ट्र-विरोधी आचरण को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। सहकर्मी नेटवर्क और संस्थागत पुरस्कार प्रणालियाँ जो एक विशिष्ट असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी वैचारिक विचारधारा को दूसरों पर प्राथमिकता देती हैं, शैक्षणिक विभागों को ऐसे प्रतिध्वनि कक्षों में बदल देती हैं जहाँ कुछ विशेष दृष्टिकोण हावी हो जाते हैं। दुनिया इस साम्यवादी मानसिक और संज्ञानात्मक विकृति से पीड़ित होने लगी है। यह विकृति भारतीय विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित करती है, जिससे राष्ट्र और समाज को गंभीर नुकसान पहुँचता है। कई विश्वविद्यालय जिनमें मानविकी विभाग है, एक साम्यवादी थीम पार्क बन गए हैं। लक्ष्य है भारत का विघटन करना और सनातन धर्म को विकृत सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से ध्वस्त करना, चाहे वह समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, भाषा या कानून का क्षेत्र हो। उच्च शिक्षा में बौद्धिक विविधता नष्ट करने और ज्ञान संबंधी भ्रम पैदा करने वाले कट्टरपंथी साम्यवादी विचारों को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपतियों सहित 200 से अधिक शिक्षा विशेषज्ञों ने देश की गिरती शैक्षिक स्थिति के लिए वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक समूह को जिम्मेदार ठहराया है। वामपंथियों की भ्रामक प्रवृत्ति युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध भड़काने की है। 1980 के दशक में जब वामपंथी संगठनों ने देश के युवाओं और ग्रामीणों को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था, तब से वामपंथी उग्रवाद और वामपंथी विचारधारा की आड़ में देश को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि जेएनयू से लेकर जामिया, एएमयू से लेकर जादवपुर तक के परिसरों में हो रही घटनाएं दर्शाती हैं कि कैसे मुट्ठी भर वामपंथी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों से शैक्षणिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विश्वविद्यालय में केवल शिक्षा के उद्देश्य से दाखिला लेने वाले और किसी भी समूह से असंबंधित छात्र सबसे अधिक पीड़ित हैं।

सोशल मीडिया पर गलत प्रचार, झूठी कहानी और झूठे विमर्श जैसे शब्दों का अक्सर इस्तेमाल होता है। सनातन धर्म/हिंदुत्व की झूठी कहानियां मीडिया में बड़े पैमाने पर फैलाई जाती है और कई सरकारी कर्मचारी, बहुराष्ट्रीय निगमों के कर्मचारी, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों आदि में विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी इन झूठी कहानियों को सत्य मान लेते हैं। मेरा मानना है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के एक बड़े हिस्से के लिए भी यही सत्य है। आखिरकार, लाखों लोग- जिनमें से कई असहमत हो सकते हैं, उनको इन विभिन्न कहानियों को अपनाने के लिए मजबूर किया गया है, जबकि हम जानते हैं कि वे गलत हैं। हमारे शिक्षा तंत्र में व्याप्त मार्क्सवादी माहौल ने बच्चों और युवाओं के दिमाग में झूठी कहानियों को व्यवस्थित रूप से बिठा दिया है। परिणामस्वरूप, ये छद्म-उदारवादी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कड़ा विरोध करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है।

युवाओं को साम्यवाद का विचार विशेष रूप से आकर्षित करता है। समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और क्रांति जैसे विषयों पर चर्चा करना कितना रोमांचक होता है! युवा मन ऐसे विषयों से प्रेरित हो सकता है। युवा स्वभाव से भावुक होते हैं। साम्यवाद हमें यथास्थिति को उखाड़ फेंकने और एक गैरकानूनी और अमानवीय क्रांति शुरू करने के लिए कहता है। परिणामस्वरूप, संविधान के विरुद्ध होने के बावजूद युवा वामपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते हैं।

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल(हि.स)

वे साम्यवाद की गहरी वास्तविकता को समझने में असमर्थ हैं। न केवल प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्रों बल्कि अमेरिका और कई यूरोपीय देशों जैसे पूंजीवादी देशों में भी साम्यवाद जहर फैला रहा है। इस विचारधारा की रणनीति है युवावस्था में उन्हें फंसाना और उनकी बुद्धि को भ्रमित करना। इसलिए, वे कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाते हैं जो अभी तक हर स्थिति में अपने निर्णय लेने के लिए पर्याप्त परिपक्व नहीं हैं, लेकिन हाल ही में अपने माता-पिता के संरक्षण से मुक्त हुए हैं। अवसरवादी राजनेता और साम्यवादी इस खामी का फायदा उठाकर छात्रों के दिमाग में झूठ, अधूरी सच्चाई और आकर्षक भाषा का इस्तेमाल करके गलत धारणाएं भर देते हैं।

कहा जाता है कि प्राचीन चीन में ₹हिरण की ओर इशारा करके उसे घोड़ा कहना₹ आम बात थी। अगर सार्वजनिक रूप से आपसे सवाल किया जाता और आप यह मानने से इनकार कर देते कि वह घोड़ा है तो आपको समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। दुर्भाग्य से, यह चर्चा आजकल सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। इस मिथक के बार-बार फैलने के कारण कई युवा अब इसे घोड़ा समझते हैं- हालांकि ऐसा करने के लिए वे मजबूर नहीं हैं।

वोकवाद उन लोगों का समूह है जो वास्तव में अनपढ़ और अज्ञानी हैं लेकिन खुद को दुनिया का सबसे जानकार समझते हैं। ये लोग वामपंथी ₹वोक₹ संस्कृति का हिस्सा हैं। झूठ पर विश्वास करने के बावजूद वे सामाजिक मुद्दों के बारे में खुद को जानकार मानते हैं। संक्षेप में कहें तो वे बिना किसी जांच-पड़ताल के गलत जानकारी फैलाते हैं और किसी भी विषय में पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं। वामपंथी ₹वोक₹ को अपने सामाजिक कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बुद्धि को सुधारने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी। इसका कारण यह है कि वोक वामपंथी विचारधारा पक्षपातपूर्ण और असंगत वामपंथी अवधारणाओं का एक समूह है, जिन्हें 'समानता,' ₹विविधता₹ और 'समावेश' के नाम से जाना जाता है। जो कोई भी 'वोक' वामपंथियों से असहमत होता है, उन पर वे अक्सर बेरहमी से हमला करते हैं।

मार्क्सवाद/साम्यवाद वोकवाद एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं है; यह एक मजहबी व्यवस्था है। मजहब का उद्देश्य मौजूदा राजनीतिक या सांस्कृतिक संरचनाओं को उखाड़ फेंकना है। वोकवाद नई अवधारणाओं के विश्लेषण और शोध में बाधा डालता है। यह एक खोखली विचारधारा है जो नैतिक सेना का रूप धारण करते हुए विविधता के नाम पर विचारों की विविधता को सीमित करती है। वे परिस्थितियों की कोई जानकारी या समझ रखे बिना खुद को न्याय का सर्वोच्च रूप बताते हैं। भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में मार्क्सवादी-इस्लामी गठबंधन इसका प्रमाण है। परिणामस्वरूप, अब अन्य भारतीय अल्पसंख्यकों के साथ-साथ मुख्यधारा के हिंदू समाज के प्रति भी शत्रुता का भाव पनप रहा है। इस तरह की बातचीत सनातन धर्म के बारे में अपमानजनक और भ्रामक कहानियों के प्रसार को बढ़ावा देती है। डीप स्टेट वैश्विक बाजार शक्तियों का इस समाज के साथ जिस तरह का जुड़ाव रहा है, वह और भी चिंताजनक है। ये मौखिक अभिव्यक्तियाँ व्यावसायिक वस्तुओं में परिवर्तित होती प्रतीत होती हैं। इन मान्यताओं के मुखर समर्थक सामाजिक और आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं। हालाँकि, बड़ी समस्या यह है कि ये बोले गए शब्द अक्सर कथा के विषय को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। वे केवल एक ऐसी कहानी गढ़ना चाहते हैं जिससे लोग जुड़ सकें, न कि केवल किसी मुद्दे या अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करना। उनका उद्देश्य झूठी कहानी के विशेषज्ञ बनना है ताकि अन्य लोग उनके दृष्टिकोण को अपनाने के लिए विवश हों। यह मुद्दा केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लोगों को प्रभावित करता है। लक्ष्य है गुप्त रूप से वैचारिक वर्चस्व बढ़ाना, भाषा को हथियार बनाना और कथा का हेरफेर करना। प्रचलित विमर्श, भले ही वे पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ या तथ्यात्मक न हों, डिजिटल रूप से जुड़े वातावरण में जनमत को कैसे प्रभावित कर सकते हैं?

वामपंथी दल वर्तमान में देश की शिक्षा प्रणाली पर अपनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ भोले-भाले और युवा छात्रों के मन में सांप्रदायिकता और असंगतता की विभाजनकारी अवधारणाओं को भर रहे हैं। छात्रों का इस्तेमाल राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए करने का वामपंथियों का लंबा और गौरवशाली इतिहास रहा है। अपने देशों में हमारे राष्ट्र और इस अद्भुत संस्कृति की गौरवशाली विरासत की रक्षा कर रहे राष्ट्रवादियों को कमजोर करने के लिए माओवादियों सहित विभिन्न वामपंथी दल राष्ट्र-विरोधी साजिशें रचने का प्रयास कर रहे हैं।

सौभाग्य से, आज के युवाओं की एक बड़ी संख्या ने वामपंथियों के झूठे प्रगतिवाद को सही ढंग से पहचान लिया है और उनकी नफरत की राजनीति को नकार दिया है। एबीवीपी जैसे संगठन वामपंथियों के इस झूठे प्रगतिशील एजेंडे को उजागर करने के लिए लगातार आगे आ रहे हैं। एबीवीपी की राष्ट्रवादी गतिविधियों, अभिनव कैंपस सक्रियता और छात्र कल्याण, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के कारण छात्रों ने वामपंथी विचारधाराओं को नकार दिया है। ये प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसरों में व्यापक रूप से फैले हिंदू-विरोधी पूर्वाग्रह और दुष्प्रचार के कुछ ही उदाहरण हैं। इन वामपंथी विचारकों द्वारा प्रचारित भ्रामक विचारों का समाधान बुद्धिजीवियों को करना चाहिए। कॉलेजों और संस्थानों को हमारे बच्चों और युवाओं को वामपंथी पॉप संस्कृति से जुड़े खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए काम शुरू करना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज पर गहरा खतरा

कैलाश चन्द्र (हि.स)

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है।

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं।

निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मयार्दा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं।

किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है।

मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां।

यह विषय किसी एक फिल्म फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मयार्दाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की।

भोपाल फिल्म फेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दशार्ता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है।

भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है। भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज सजग, संगठित और वैचारिक रूप से स्पष्ट रहे। जब जनमानस अपने सांस्कृतिक दायित्व को समझेगा और जागृत चेतना के साथ आगे आएगा, तभी राष्ट्र अपनी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए प्रगति की दिशा में संतुलित कदम बढ़ा सकेगा। यही सांस्कृतिक आत्मरक्षा का मार्ग है और यही भारतीय समाज की दीर्घकालिक स्थिरता की आधारशिला है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

डॉ.बलबीर सिंह ने नए पदोन्नत हुए एसएमओज के लिए 2 दिवसीय प्रशिक्षण प्रोग्राम की शुरूआत की

सेहत मंत्री ने जनतक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने में एसएमओज को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए कहा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार भलाई मंत्री डा.बलबीर सिंह ने आज नए पदउन्नत हुए सीनियर मैडीकल अधिकारियों (एस.एम.ओ.) के लिए व्यापक दो-दिवसीय सामर्थ्य निर्माण प्रशिक्षण प्रोग्राम का उद्घाटन किया, जिसमें जिला और ब्लाक स्तर पर जनतक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाली प्रणाली को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका पर जोर दिया गया।

अधिकारियों को उनकी पदउन्नती पर बधाई देते डा.बलबीर सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण विशेष तौर पर उनकी प्रशासकीय, प्रबंधीकय और प्रोग्राम लागू करने की सामर्थ्य को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि वह अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरे विश्वास और कुश्लता के साथ निभा सकें।उन्होंने कहा कि राज्य की प्रमुख स्वास्थ्य पहलकदमियों की सफलता जमीनी स्तर पर इन अधिकारियों के नेतृत्व, निगरानी और वचनबद्धता पर निर्भर करती है।

स्वास्थ्य मंत्री ने एसएमओज को मुख्य मंत्री सेहत योजना (एमएमएसवाई) सहित प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावशाली लागू करने को यकीनी बनाने के निर्देश देते एमएमएसवाई के अंतर्गत लाभपातरियों के 100 प्रतिशत नामांकन और समय पर कार्ड बनाने को यकीनी बना कर प्रगति की नजदीक से निगरानी करने को कहा। एमएमएसवाई के अंतर्गत एसएमओज स्थानीय स्वास्थ्य संभाल को और मजबूत करने के लिए फंडों का प्रयोग कर सकते है।डा. बलबीर सिंह ने सीनियर मैडीकल अधिकारियों को आम आदमी कलीनिकों में दवाएं और डायगनौस्टिक्स सेवाओं की निर्विघ्न स्पलाई को यकीनी बनाने के निर्देश देते नई सुविधाओं की निगरानी करने के लिए भी कहा। उन्होंने एसएमओज को युद्ध नशियां विरुद्ध पहलकदमी के अंतर्गत नशा छुड़ाओ सेवाओं को मजबूत करने और ओट क्लीनिकों की निगरानी करने का काम भी सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री ने मुफ़्त दवाओं सम्बन्धित पहलकदमी की महत्ता पर जोर दिया, जिसमें जरूरी दवाओं की 100 प्रतिशत उपलब्धता को यकीनी बनाने साथ-साथ दवाओं कमी को रोकने के लिए पारदर्शी ढंग के साथ स्टाक प्रबंधन यकीनी बनाया गया है।

उन्होंने एसएमओज को 30 साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की हाईपरटैंशन, शुगर और कैंसर के लिए एनसीडी स्क्रीनिंग प्रोग्राम की निगरानी करने की जिम्मेदारी सौंपी और टीबी मुक्त अभियान 100 दिनों मुहिम के अंतर्गत मामलों का पता लगाने और इलाज सम्बन्धित सख्त निगरानी करने के लिए कहा। अपने डाक्टरी कॅरियर का एक किस्सा सांझा करते हुए उन्होंने बताया कि एक बार उनका तबादला सीएचसी कौली से जिला पटियाला में हुआ परन्तु गांव के लोग उस समय के सेहत मंत्री और मुख्य मंत्री के पास गए ताकि गांव से मेरी ट्रांसफर रोकी जा सके। उन्होंने डाक्टरों को भाईचारो में ऐसे ही जोश के साथ सेवाएं निभाने के लिए उत्साहित किया।

डा. बलबीर सिंह ने नैतिकता, खुश मिजाज और हमदर्दी के साथ सेवा करने के लिए प्रेरित करते भाईचारे के साथ सांझ बनाने पर जोर दिया क्योंकि कई बार साधारण चीजें भी बड़ा प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने अधिकारियों को एक सेहतमंद, नशा मुक्त और सशक्त पंजाब- सेहतमंद और रंगला पंजाब झ सृजित करने के सपने को साकार करने के लिए पूरी तनदेही और जिम्मेदारी के साथ काम करने के लिए कहा। डायरैक्टर सेहत और परिवार भलाई डा.हितिन्दर कौर और डायरैक्टर सेहत सेवाएं (परिवार भलाई) डा. अदिति सलारिया ने भी नए पदउन्नत हुए एसएमओज को कुशलता और प्रभावशाली ढंग के साथ सेवाएं निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रोग्राम अधिकारी (प्रशिक्षण) डा.परविंदर कौर और अन्य स्टेट प्रोग्राम अधिकारी सभी भागीदारों को अलग-अलग स्वास्थ्य प्रोग्रामों के सफलतापूर्वक लागूकरन बारे विस्तार के साथ प्रशिक्षण देंगे।

भगवंत मान सरकार ने मुख मंत्री सेहत योजना संबंधित रजिस्ट्रेशन को बनाया आसान

- **लोग सिर्फ आधार और वोटर आईडी के साथ मौके पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है: सेहत मंत्री**
- **सीएससी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले वीएलईज को पंजाब सरकार में तरजीही तौर पर रोजगार के मौके दिए जाएंगे: डा. बलबीर सिंह**

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भगवंत मान सरकार ने आज अपनी प्रमुख मुख्य मंत्री सेहत योजना (एमएमएसवाई) सम्बन्धित रुकावटों को दूर करते घोषणा की कि लोग अब राज्य भर के कामन सर्विस सैंटरें (सीएससी) में सिर्फ आधार और वोटर आईडी के साथ तुरंत मौके पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। एक उच्च- स्तरीय समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षीय करते सेहत मंत्री डा. बलबीर सिंह ने गांव स्तर के उद्यमियों के लिए प्रदर्शन- आधारित प्रोत्साहनों की भी शुरूआत की, जिसके अंतर्गत बेहतर प्रदर्शन करने वालों के लिए पंजाब सरकार में तरजीही तौर पर रोजगार के मौके देने का वायदा किया गया। इसके इलावा योजना के 100 प्रतिशत लागूकरन को यकीनी बनाने के लिए एक राज्य स्तरीय लामबंदी मुहिम शुरू की गई।

कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और डिप्टी कमिश्नरों के साथ एक उच्च स्तरीय वर्चुअल मीटिंग की अध्यक्षीय करते, पंजाब के सेहत मंत्री डा. बलबीर सिंह ने अधिकारियों को रवायती तरीकों से हट कर रजिस्ट्रेशन मुहिम का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पंजाब निवासी जिसके पास आधार कार्ड और पंजाब वोटर आईडी है, वह इस योजना में नाम दर्ज करवाने के लिए किसी भी कामन सर्विस सैंटर (सीऐससी) या निर्धारित रजिस्ट्रेशन कैंप में जा सकता है।कुशलता में विस्तार करने के लिए एक अहम कदम उठाते, डा. बलबीर सिंह ने कामन सर्विस सैंटरो को चलाने वाले गांव स्तर के उद्यमियों के लिए प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन का ऐलान किया।

डिजिटल प्रशासन सम्बन्धित उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते, उन्होंने कहा, रजिस्ट्रेशन मुहिम में तेजी लाने सम्बन्धित सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले गांव स्तर के उद्यमियों को पंजाब सरकार में तरजीही तौर पर रोजगार के मौके दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह पहलकदमी संभावी तौर पर गांव स्तर के उद्यमी नैटवर्क को ओर मजबूत करने के साथ साथ प्रत्येक कामन सर्विस सैंटर को पंजाब के लोगों के लिए सेहत कवरेज हासिल करने के समर्पित गतिविधि केंद्र में बदल देगी। सरकार की वचनबद्धता पर जोर देते डा. बलबीर सिंह ने कहा, सेहत संभाल एक अधिकार है, कोई विशेष सुविधा नहीं। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पंजाब में एक भी परिवार को महंगे डाक्टरी इलाज कारण गरीबी रेखा से नीचे नहीं जाने देगी।

इस वर्चुअल मीटिंग में प्रमुख सचिव सेहत और परिवार भलाई श्री कुमार राहुल, मैंबर पंजाब विकास कमिशन श्री अनुराग कुंडू, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राज्य सेहत एजेंसी श्री संयम अग्रवाल, डायरैक्टर सेहत और परिवार भलाई डा. हितिन्दर कौर और सेहत विभाग के अन्य सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

गैंगस्टरां ते वार का 35वां दिन: पंजाब पुलिस ने 587 स्थानों पर की छापेमारी ; 183 गिरफ़्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों में शुरू किए निर्णायक अभियान गैंगस्टरां ते वार के 35वें दिन पंजाब पुलिस ने राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मेप किए 587 टिकानों पर छापेमारी की।

जिक्रयोग्य है कि गैंगस्टरां ते वार - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक युद्ध , जो पुलिस डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव की तरफ से 20 जनवरी, 2026 को शुरू की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के तालमेल के साथ सभी जिलों की पुलिस टीमों से तरफ से राज्य भर में विशेष कार्यवाहियां की जा रही हैं।

35वें दिन पुलिस टीमों ने 183 व्यक्तियों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्जे में से तीन हथियार बरामद किए, जिससे अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ़्तारियों की संख्या 11, 265 हो गई है।

इसके इलावा 150 व्यक्तियों विरुद्ध एहतियाती कार्यवाही की गई है, जब कि 133 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्यवाही दौरान सात भगौड़े अपराधियों को भी गिरफ़्तार किया है।

उन्होंने कहा कि लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946- 93946 के द्वारा गुप्त तौर पर वाछिंत अपराधियों और गैंगस्टरों बारे रिपोर्ट कर सकते है और अपराध और अपराधिक गतिविधियों बारे सूह/ जानकारी सांझा की जा सकती है।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशे विरुद्ध अपने अभियान युद्ध नशियां विरुद्ध को 360वें दिन भी जारी रखते 83 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्जे में से 431 ग्राम हेरोइन, 12 किलो भुक्की, 323 नशीली गोलियां/ कैप्सूल और 4860 रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई।इससे केवल 360 दिनों में गिरफ़्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 51086 हो गई है।=

जबरन वसूली से संबंधित गोलीबारी की घटनाओं में शामिल दो बी.के.आई. कारकुन जालंधर से गिरफ्तार; पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़/जालंधर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेर्शों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए, काउंटर इंटेलीजैंस (सीआई) जालंधर ने जबरन वसूली से संबंधित गोलीबारी की घटनाओं में शामिल बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) द्वारा समर्थित एक मॉड्यूल के दो मुख्य कारकुनों को एक .32 बोर पिस्तौल, मैगजीन और आठ कारतूसों सहित गिरफ्तार करके इस मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ सन्नी और रावल दोनों निवासी गांव कुलम, एसबीएस नगर के तौर पर हुई है।डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि शुरूआती जांच से पता लगा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी अपने विदेशी हैंडलरों - गोपी नवांशाहरीया, जस्सी कुलम और सुशांत चोपड़ा - जो बीकेआई से जुड़े हुए है, के निदेर्शों पर काम कर रहे थे।उन्होंने बताया कि जांच के अनुसार, आरोपियों ने जबरन वसूली के लिए गड़शंकर क्षेत्र में एक ट्रैवल एजेंट के घर पर दो बार गोलीबारी की थी। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए, उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीआई जालंधर की टीमों ने जालंधर-अमृतसर हाईवे से जालंधर के सूरानस्सी में लिधड़ां अंडरब्रिज के नजदीक बीकेआई से जुड़े दोनों आरोपियों को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया।डीजीपी ने बताया कि इस मॉड्यूल के आगे-पिछले संबंधों का पता लगाने और इसके अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां एवं बरामदगी होने की संभावना है।इस संबंध में, एफआईआर नंबर 11, तारीख 23.02.2026 को थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सैल (एसएसओसी) अमृतसर में दर्ज की गई है।

भिलाई में सात व्यक्तियों ने पुन: सिख धर्म अपना कर की 'घर-वापसी'

सिटी दर्पण संवाददाता
भिलाई

सिख युवा सेवा समिति भिलाई, छत्तीसगढ़ द्वारा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू और छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के अध्यक्ष जसवीर सिंह चाहल के नेतृत्व में तथा भिलाई की समस्त गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों की उपस्थिति में यहाँ सुपेला स्थित गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह शहीदां में सात व्यक्तियों ने सिख धर्म और मानवता की सेवा के सिद्धांतों से प्रभावित होकर पुनः सिख धर्म अपना कर घर-वापसी की है। इन व्यक्तियों ने पिछले समय दौरान किन्हीं पारिवारिक परिस्थितियों या प्रलोभन के कारण अपना धर्म परिवर्तन कर लिया था।

इस अवसर पर सिख पंचायत के महासचिव गुरनाम सिंह और सिख युवा सेवा समिति के कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह ने बताया कि आज श्री आनंद साहिब के पाठ और अरदास के उपरांत गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथी सिंह सुरिंदर सिंह दर्दी ने हुक्मनामा लेकर इन सभी व्यक्तियों को सिरोपा भेंट कर उनकी घर-वापसी कराई।

मानव सेवा, माधव सेवा मिशन के तहत इस विशेष कार्य के लिए भिलाई के गणमान्य व्यक्तियों ने सिख युवा सेवा समिति और सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के यत्नों की प्रशंसा की।इस मौके पर बोलते हुए इंद्रजीत छोटू ने कहा कि धर्म परिवर्तन करने वाले सभी सिखों की घर-वापसी के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे और उनकी जरूरतों व परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सिख समुदाय की सहायता से उनकी हर संभव मदद की जाएगी। भिलाई की समस्त गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के पदाधिकारियों ने इंद्रजीत सिंह छोटू को इस सराहनीय प्रयास के लिए बधाई भी दी।इस घर-वापसी कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा पलविंदर सिंह रंधावा, गुरमीत सिंह गांधी, बलजिंदर सिंह कलेर, बीबी कुलवंत कौर, तजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, जसवंत सिंह खालसा, सुच्चा सिंह, पवित्र सिंह, त्रिलोचन सिंह, कुलदीप सिंह, रणजीत सिंह, सुखदेव सिंह लाडी, जगजीत सिंह सग्गू, अमन सिंह, निर्मल सिंह रंधावा, दिग्विजय सिंह, महिंदर सिंह और भारी संख्या में महिलाओं ने शिरकत की।

16,000 से अधिक बुजुर्ग सरकारी सुविधाओं के साथ जोड़े गए: डा. बलजीत कौर

मान सरकार का बुजुर्गों के लिए बड़ा कदम, सेहत से सुरक्षा तक पूरी देखभाल: डा. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्य मंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के बुजुर्ग नागरिकों को समाज की अनमोल धरोहर मानते उनकी सुरक्षा, सेहत और सामाजिक भलाई को यकीनी बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। इस दिशा में सूबा स्तरीय मुहिम साढ़े बुजुर्ग साढां मान के अंतर्गत लगाए गए सेहत चैकअप कैंपों दौरान 16, 000 से अधिक बुजुर्ग नागरिकों को रजिस्टर्ड करके उनको सरकारी भलाई सहूलतों के साथ जोड़ा गया है।

इस सम्बन्धित ओर जानकारी देते सामाजिक सुरक्षा, स्त्री और बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर ने बताया कि सीनियर सिटिजन एक्शन प्लान अधीन वित्तीय साल 2025झ 26 दौरान बुजुर्गों के लिए लगाए जाने वाले सेहत चैकअप कैंपों और अन्य सम्बन्धित गतिविधियों के लिए 7.86 करोड़ का बजट उपबंध किया गया है।

उन्होंने बताया कि इन कैंपों दौरान 4543 बुजुर्गों का जनरल हैल्थ चैकअप, 2071 का आरथोपैडिक जांच, 3705 की आंखों की जांच, 1129 ने योगा सैशन में भाग, 1489 ने होम्योपैथिक इलाज और 2054 ने आयुर्वेदिक सेवाओं, सहायक उपकरण और अन्य सुविधाओं का लाभ लिया।

उन्होंने ओर बताया कि अलीमको योजना के अंतर्गत 243 बुजुर्ग नागरिक रजिस्टर्ड हुए, जिनमें से 89 को वील्हचेयर, ऐनक और श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। इसके इलावा 355 बुजुर्गों के बुढापा पैन्शन फार्म तैयार किए गए और 393 को सीनियर सिटिजन कार्ड जारी किए गए।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब के अधिकतर जिलों में सेहत चैकअप कैंप लगाए जा चुके है, जिन में अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पटियाला समेत कई जिले शामिल हैं, जबकि फरीदकोट और संगरूर में जल्द यह कैंप लगाए जाएंगे।

इस मुहिम को उचित ढंग के साथ लागू करने के लिए राज्य एक्शन प्लान अधीन इस बजट अलाटमैंट के अंतर्गत जिला स्तरीय सेहत चैकअप कैंपों और सम्बन्धित गतिविधियों करवाई गई। इन कैंपों में बुजुर्ग नागरिकों को मोतियाबिन्द सर्जरी, मुफ़्त सहायक उपकरणों की बांट, बुढापा पैन्शन सुविधा, सीनियर सिटिजन कार्ड जारी करने के साथ- के साथ योग कैंपों, कानूनी जागरूकता प्रोगरामों और अन्य जागरूकता गतिविधियों की सुविधा एक ही छत नीचे मुहैया करवाई गई।इसके अंतर्गत 2187 बुजुर्ग नागरिकों को मैनटीनैंस एंड वैलफेयर आफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटिजन एक्ट- 2007 बारे जानकारी दी गई।

इसके इलावा, बुजुर्ग नागरिकों को जागरूक समाज के साथ जोड़ कर रखने के लिए प्रोडक्टिव और इंटर-जनरेशनल गतिविधियों भी करवाई गई।इन अधीन 379 बुजुर्ग नागरिकों ने प्रोडक्टिव और एक्टिव एजिंग कैंपों में भाग लिया, जबकि 140 बुजुर्गों ने गिद्दा, भंगड़ा, कविता और नाटक जैसी सांझी पीढ़ी गतिविधियों में शमूलियत की। इसके साथ ही 1841 बुजुर्ग नागरिकों ने योग कैंपों में भाग लेकर शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती की तरफ मजबूत कदम बढ़ाया।

डा. बलजीत कौर ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज का कीमती अंग हैऔर उनकी संभाल करना मान सरकार की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि सरकार की यह कोशिश तब ही सफल होगी जब परिवार और समाज मिल कर बुजुर्ग नागरिकों को इन सेहत कैंपों तक लाने में सक्रिय सहयोग करेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

50000 रुपए रिश्वत की मांग करने वाला सरपंच विजीलैंस ब्यूरो ने किया काबू

चंडीगढ़। मुख्य मंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई जीरो टालरैंस नीति के अंतर्गत पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने गांव देवीनगर (अबरावन) जिला एस.ए.एस. नगर के सरपंच गुरचरन सिंह को 50000 रुपए रिश्वत की मांग करने के दोष में गिरफ़्तार किया है। आज यहां यह जानकारी देते राज्य विजीलैंस ब्यूरो के वक्ता ने बताया कि यह गिरफ़्तारी मुख्य मंत्री के भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाईन पोर्टल पर दर्ज शिकायत के आधार पर अमल में लाई गई है। शिकायत की पड़ताल दौरान यह बात सामने आई कि जिला एसएएस नगर के गांव देवीनगर (अबरावन) के सरपंच गुरचरन सिंह ने शिकायतकर्ता का ट्रैक्टर, जो पुलिस के पास जब्त था, को थाना बनूड़ से छुडवाने के बदले 100000 रुपए रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता के बार-बार विनती करने पर दोषी सरपंच के साथ सौदा 50000 रुपए में तय हुआ। शिकायतकर्ता ने रिश्वत सम्बन्धित पूरी बातचीत रिकार्ड कर ली थी। इस सम्बन्धित दोषी विरुद्ध भ्रष्टाचार रोकू कानून के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो पुलिस स्टेशन एसएएस नगर रेंज में मामला दर्ज किया गया है। वक्ता ने आगे कहा कि इस मामले की आगे वाली जांच जारी है।

अमेरिका से आए सिख डेलीगेशन ने शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट धामी से मुलाकात की

जैतो। अमेरिकी सिख श्रद्धालुओं के एक ग्रुप ने आज शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह से मुलाकात की। धामी से मुलाकात के बाद शिरोमणि कमेटी द्वारा जल्द ही कैलिफोर्निया के यूबा शहर में एक धार्मिक प्रचार सेंटर खोलने का आग्रह किया।यह शिष्टमंडल दलबीर सिंह गिल के नेतृत्व में सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब दर्शनार्थ के पहुंचा है, जिसमें गुरमुख सिंह धनोआ, बीबी लखविंदर कौर, बीबी जिंदरजीत कौर गिल, बीबी चरणजीत कौर गिल और बीबी कुलदीप कौर धनोआ आदि शामिल थे। इस मौके पर दलबीर सिंह गिल ने कहा कि शिरोमणि कमेटी सिख पंथ की सबसे अहम बॉडी है। यह एक बड़ी संवैधानिक संस्था है, जो देश और दुनिया में धर्म के प्रचार के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका निवासी सिख दीदार सिंह बैंस और परिवार ने पिछले दिनों युबासिटी में शिरोमणि कमेटी को जमीन दी थी। जिस पर सिख भाईचारा एकजुट होकर धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए केंद्र स्थापित करने को लेकर बड़ी उत्सुकता है। उन्होंने कहा कि यह समय की भी बड़ी जरूरत है, जिसमें अमेरिका की सिख संगतों को शिरोमणि कमेटी का साथ देना चाहिए। हर तरह का सहयोग दिया जाएगा। इस मौके पर एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि सिख संगठन लोगों की भावनाओं के अनुरूप काम करने के लिए हमेशा वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि सिख भाईचारे के सहयोग से सिखी प्रचार-प्रसार को और तेज करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उबासिटी के अंदर दीदार सिंह बैंस द्वारा शिरोमणि कमेटी को दी गई जमीन पर केंद्र स्थापित करना एजेंडे में है और जल्द ही इस पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अमेरिकी लोगों से अपील की कि वे इस काम के लिए शिरोमणि कमेटी का साथ दें। आगे आएं। इस दौरान शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने दलबीर सिंह गिल के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल को भी सम्मानित किया। इस मौके ओ.एस.डी. सतबीर सिंह, सेक्रेटरी प्रताप सिंह, निजी सेक्रेटरी शाहबाज सिंह, असिस्टेंट सेक्रेटरी हरभजन सिंह स्पीकर, श्री दरबार साहिब के मैनेजर भगवंत सिंह धंगेरा, सुपरिटेंडेंट निशान सिंह आदि मौजूद थे।

शिरोमणि कमेटी ने पाकिस्तान जाने वाले श्रद्धालुओं से पासपोर्ट मांगे

जैतो। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पांचवें गुरु, श्री गुरु अर्जन देव जी की शहादत के मौके पर पाकिस्तान में गुरुद्वारों के दर्शन के लिए भेजे जाने वाले जत्थे के लिए श्रद्धालुओं से पासपोर्ट मांगे हैं। यह जत्था जून 2026 में पाकिस्तान भेजा जाना है, जिसके लिए शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के निर्देश पर प्रोसेस शुरू कर दिया गया है। इस बारे में शिरोमणि कमेटी के सेक्रेटरी प्रताप सिंह ने बताया कि श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर पाकिस्तान जाने वाले जत्थे के लिए श्रद्धालु 5 मार्च 2026 तक अपना पासपोर्ट शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री अमृतसर के ऑफिस में भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु जत्थे में शामिल होना चाहते हैं, वे अपने पासपोर्ट के साथ शिरोमणि कमेटी के सदस्य की सिफारिश के साथ अपना पहचान पत्र भी जमा कराएं। पहचान पत्र के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड या वोटर कार्ड की कॉपी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु समय पर अपना पासपोर्ट जमा करवा दें, ताकि उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जा सके। चुन्नी लाल सचदेवा डीएवी स्कूल सेंटेनरी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कब- बुलबुल उत्सव 2026 में हिस्सा लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य विजय दत्त की ओर से मेरी रसोई योजना खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में अनुकरणीय कदम करार

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा घोषित मेरी रसोई योजना के अंतर्गत 40 लाख परिवारों को निःशुल्क राशन किट प्रदान करने के निर्णय का स्वागत करते हुए पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य विजय दत्त ने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की भावना के अनुरूप खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं अनुकरणीय कदम है। उन्होंने कहा कि आयोग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र लाभार्थियों को उनका खाद्य अधिकार समय पर और उचित गुणवत्ता के साथ प्राप्त हो। इस संदर्भ में मेरी रसोई योजना के तहत तिमाही आधार पर दी जाने वाली राशन किटें राज्य में पोषण स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगी। उन्होनें जानकारी दी कि योजना के अनुसार प्रत्येक पात्र परिवार को दो किलोग्राम दाल, दो किलोग्राम चीनी, एक किलोग्राम नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर तथा एक लीटर सरसों का तेल प्रदान किया जाएगा। ये किटें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत वितरित की जा रही गेहूं से अलग होंगी। उन्होंने कहा कि आयोग इस योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर निगरानी रखेगा ताकि वितरण प्रणाली पारदर्शी, प्रभावी और जवाबदेह बनी रहे। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, भंडारण एवं वितरण के दौरान निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है, और आयोग इस संबंध में संबंधित विभागों के साथ समन्वय करेगा। उन्होंने आगे कहा कहा कि इस प्रकार की पहल से राज्य में खाद्य सुरक्षा प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी तथा पात्र परिवारों को पोषणयुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पंजाब राज्य खाद्य आयोग नागरिकों के खाद्य अधिकारों की रक्षा हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

सरकार ने वाछिंत अपराधियों और गैंगस्टरों पर शिकंजा कसने के लिए नई इनाम नीति को किया नोटीफाई

चंडीगढ़। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा- निदेर्शों पर पंजाब को गैंगस्टर मुक्त बनाने के लिए शुरू किए 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम को ओर मजबूत करते, पंजाब सरकार ने आज 'वाछिंत अपराधियों की गिरफ़्तारी के लिए पंजाब की इनाम नीति' को नोटीफाई हो गई है जिसके साथ फील्ड अधिकारी और विंग के प्रमुख (एसडीजीपी/ एडीजीपी) अधिकारित तौर पर उन लोगों जिनकी तरफ से दी गई जानकारी के साथ अपराधियों की गिरफ़्तारी होती है, या फिर असाधारण कार्यवाहियां करने वाले पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को इनाम दे सकेंगे। जिक्रयोग्य है कि इस नीति को मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब कैबिनेट द्वारा सोमवार को परवानगी दी गई थी। इस नीति का उद्देश्य इनाम देने के लिए एक पारदर्शी और योजनाबद्ध विधि को यकीनी बनाना, सूचना देने वालों को प्रेरित करना और जरुरी अपराधियों को पकड़ने में कानून लागूकरन वाले अधिकारियों/ कर्मचारियों के यत्नों को मान्यता देना है। डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने कहा, इस नीति के अंतर्गत, एसएसपीज को 1 लाख रुपए तक, सीपीज और आईजीपीज/ डीआईजीज रेंजों को 1.5 लाख रुपए तक, विंग के मुखिया को 2 लाख रुपए तक के इनाम देने के लिए अधिकारित किया गया।

अमेरिकी सेना ने मादक पदार्थों की तस्करी वाली नौका पर हमला किया, तीन की मौत

अब तक इस तरह के 40 से ज्यादा हमले, मरने वालों की कुल संख्या कम से कम 151

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने सोमवार को कैरेबियन सागर में एक नौका पर हमला कर तीन लोगों को मार गिराया जिससे नशीले पदार्थों की कथित तस्करी की जा रही थी। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के संदिग्ध तस्करों के खिलाफ कई महीने से चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

ट्रंप सरकार ने पिछले साल सितंबर की शुरूआत से समुद्र में छोटी नावों के जरिए नशीली दवाओं की तस्करी करने वालों (नार्को-टेररिस्ट) के खिलाफ यह अभियान शुरू किया था। सोमवार को हुए इस हमले के बाद, ऐसी घटनाओं में अब तक मरने वालों की कुल संख्या कम से कम 151 हो गई है। अब तक इस तरह के 40 से ज्यादा हमले हो चुके हैं। पिछले हमलों की तरह इस बार भी अमेरिकी दक्षिणी कमान ने यही कहा कि उन्होंने तस्करी के मार्गों पर मादक द्रव्यों के तस्करों को निशाना बनाया है। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि उस नाव में वाकई नशीले पदार्थ थे, लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो डाला है जिसमें एक छोटी नाव को नष्ट होते हुए देखा जा सकता है। अमेरिकी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि यह जहाज कैरेबियन सागर में तस्करी के जाने-माने रास्तों से गुजर रहा था और नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल था। इस कार्रवाई के दौरान तीन पुरुष 'नार्को-टेररिस्ट' मारे गए।" अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश लैटिन अमेरिका के मादक पदार्थ गिरोहों के साथ 'सशस्त्र संघर्ष' की स्थिति में है। उन्होंने इन हमलों को सही ठहराते हुए कहा कि अमेरिका में नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोकने के लिए यह कड़ा कदम उठाना जरूरी है।

संचार रणनीतिकार ने शुरू किया भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर केंद्रित मतदाता डेटा मंच

न्यूयॉर्क। संचार रणनीतिकार अनंग मित्तल ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर केंद्रित एक विशिष्ट मतदाता डेटा मंच की शुरूआत की है। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉन्सन के लिए डिजिटल प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके भारतीय मूल के मित्तल ने सोमवार को ह्यइंडियन अमेरिकन वोटर एटलसह्न शुरू किया। उन्होंने इसे ह्लभारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए और उसके बारे में विशेष रूप से तैयार किया गया पहला गैर-पक्षपाती, खुला नागरिक डेटा मंच बताया। मित्तल ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, ह्लइस देश में 54 लाख भारतीय-अमेरिकी हैं, जिनमें से 26 लाख मतदान के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय-अमेरिकी अमेरिका में सर्वाधिक आय वाला समूह है और देश के कई अत्यंत प्रतिस्पर्धी संसदीय क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने अमेरिकी राजनीति में किसी भी जनसांख्यिकीय समूह की तुलना में सबसे नाटकीय दलगत परिवर्तन किया। मित्तल के अनुसार, यह मतदाता एटलस सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अधिकतर डेटा को एक निःशुल्क डैशबोर्ड में समाहित करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मंच डेटा से परे कोई राजनीतिक निष्कर्ष या पूवार्नुमान प्रस्तुत नहीं करता और इसे निष्पक्ष तथा द्विदलीय स्वरूप में तैयार किया गया है। वर्ष 2026 के कानेर्गी सर्वेक्षण का हवाला देते हुए मित्तल ने कहा कि 2024 में भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं का रुझान ट्रंप की ओर था। लेकिन वर्ष 2020 में स्वतंत्र भारतीय मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से 2026 में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा कि ह्लसमुदाय उन सभी के लिए खुला है जो गंभीरता से इससे जुड़ना चाहते हैं। मित्तल ने कहा, ह्लएच-1बी वीजा और रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड में लंबित मामलों का मुद्दा हमारे समुदाय के एक बड़े हिस्से के लिए सबसे अधिक राजनीतिक परिणाम वाला है। भारतीय मूल के लाखों कामगार और उनके परिवार, दशकों से खिंची ग्रीन कार्ड की कतार में हैं। ये वे लोग हैं जो नियमों का पालन कर रहे हैं, कर दे रहे हैं और अपने अमेरिकी बच्चों का पालन-पोषण कर रहे हैं, लेकिन उनके पास समाधान का कोई स्पष्ट संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके ह्यसामुदायिक सुरक्षाह्न खंड में भारतीय-अमेरिकियों को प्रभावित करने वाले घृणा अपराधों और पक्षपात की घटनाओं का विवरण है। यह डेटा संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) तथा सामुदायिक और मानवाधिकार वकालत समूहों जैसे स्रोतों से लिया गया है। मित्तल ने कहा कि इसमें एक दशक के दौरान हुई एशियाई-विरोधी, सिख-विरोधी और हिंदू-विरोधी घटनाओं का विवरण तथा वर्ष 2012 के ओक क्रीक गुरुद्वारा नरसंहार से लेकर मंदिरों पर हमलों और सामूहिक हिंसा की घटनाओं का अभिलेख शामिल है।

स्टॉक मार्केट में फ्रैक्टल इंडस्ट्रीज की प्रीमियम एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

गारमेंट सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी फ्रैक्टल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 216 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 6.02 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 229 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 217.55 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.72 प्रतिशत के फायदे में हैं।

फ्रैक्टल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 49 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.91 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.09 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22,68,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 7.54 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 6.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 50.01 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 85.51 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 47.33 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज का बोझ भी बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 21.88 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 27.61 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी पर 24.63 करोड़ रुपये का कर्ज था।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.66 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.20 करोड़ रुपये हो गया।

इक्वाडोर में सात लोगों की गोली मारकर हत्या

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

क्विटो (इक्वाडोर)

दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर के एक गांव में सैन्य वर्दी धारी हथियारबंद लोगों ने कम से कम सात लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को पश्चिमी इक्वाडोर के एक गांव में हुई। यह ड्रग्स से जुड़ी हिंसा की नई घटना है। द वाशिंगटन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इक्वाडोर ड्रग हिंसा से जूझ रहा है। इक्वाडोर में ऐसे हमले अकसर होते रहते हैं। यह हत्याकांड मनाबी गांव में हुआ। राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने ड्रग विरोधी अभियानों की कमान सेना को सौंपी है। बावजूद इसके हिंसा नहीं थम सकी है। पुलिस ने कहा कि सोमवार का हमला तड़के हुआ और सात लोग गोली लगने से मर गए। मृतकों में 16 साल का एक लड़का भी है। बताया गया है कि इक्वाडोर कोकीन तस्करी का एक बड़ा हब बन गया है। उल्लेखनीय है कि इक्वाडोर की राजधानी क्विटो दक्षिण अमेरिका में एंडीज पर्वत श्रृंखला के बीच 2,850 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। क्विटो अपने संरक्षित ऐतिहासिक पुराने शहर के लिए प्रसिद्ध है। इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

थौबल एवं चंदेल जिलों से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर के चंदेल एवं थौबल जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान सुरक्षा बल एवं पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने चंदेल जिले के चकपिकरोंग थानांतर्गत टी. बोलोक और एल. मोल्होई गांव के बीच सामान्य क्षेत्र से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद किया। जिसमें मुख्य रूप से भारी मैगजीन के साथ एक जी-3 राइफल, देश में निर्मित तीन लेथोड बंदूकें, दो सिंगल बैरल बंदूकें, तीन स्थानीय रूप से निर्मित पोम्पी गोले, चार पोम्पी बंदूकें, खाली मैगजीन के साथ दो कार्बाइन, दो मैगजीन पाउच, एके राइफल के 7.62 मिमी के जीवित 55 राउंड, आठ बाओफेंग रेडियो सेट और एक कवर के साथ खंजर शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के खोंगजोम थानांतर्गत टेंथा एरेल चिंग से एक एसएमजी कार्बाइन एक मैगजीन के साथ, तीन बोल्ट एक्शन राइफलें, दो एसबीबीएल, एक .32 पिस्टल मैगजीन के साथ, एक .32 लाइव राउंड, एक 9 मिमी खाली कारतूस और तीन हेलमेट बरामद किये हैं। सुरक्षा बलों की कार्रवाई के दौरान किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान आज गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ती चली गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.85 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत टूट कर कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी, कोल इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 0.42 प्रतिशत से लेकर 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी, एटरनल, इंफोसिस, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयर 3.91 प्रतिशत से लेकर 2.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,645 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 708 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,937 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 242.12 अंक की कमजोरी के साथ 83,052.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स 82,481.53 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की चाल पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 711.95 अंक फिसल कर 82,582.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

संक्षिप्त-समाचार

परिवर्तन यात्रा के जरिए बंगाल में शक्ति प्रदर्शन करेगी भाजपा

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में अपनी बहुप्रतीक्षित परिवर्तन यात्रा की शुरूआत एक मार्च को करने जा रही है। पार्टी इस बार बड़े पैमाने पर केंद्रीय नेतृत्व को मैदान में उतारकर शक्ति प्रदर्शन की रणनीति अपना रही है। 48 घंटे के भीतर कम से कम आठ केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय स्तर के नेता राज्य में पहुंचेंगे। यह यात्रा राज्य के दस में से नौ संगठनात्मक प्रभागों में निकाली जाएगी। केवल कोलकाता महानगर प्रभाग को इससे अलग रखा गया है, जहां समापन पर ब्रिगेड मैदान में विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी। एक मार्च को यात्रा की शुरूआत कूचबिहार, कृष्णानगर, कुल्टी, गढ़बेता और रायदीघी से होगी। दो मार्च को इस्लामपुर, हसन, संदेशखाली और आमता से यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक मार्च को रायदीघी से परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा उसी दिन कृष्णानगर से यात्रा का उद्घाटन करेंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह दो मार्च को आमता से यात्रा की शुरूआत करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दोनों दिन उत्तर बंगाल में रहेंगे और एक मार्च को कूचबिहार तथा दो मार्च को इस्लामपुर से यात्रा का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान गढ़बेता से, जबकि महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी कुल्टी से यात्रा का शुभारंभ करेंगी। दो मार्च को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हासन से और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान संदेशखाली से यात्रा को रवाना करेंगे। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रायदीघी में आरोपपत्र प्रस्तुति कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए मथुरापुर, जयनगर और डायमंड हार्बर संगठनात्मक जिलों से संबंधित मांगों और शिकायतों का दस्तावेज जारी किया। राज्यभर में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें मिथुन चक्रवर्ती, अग्निमित्रा पाल, अभिजीत गंगोपाध्याय, सौमेंदु अधिकारी, दिलीप घोष और रुद्रनील घोष सहित कई नेता शामिल हुए। भाजपा राज्य समिति के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को बताया कि 2021 के विधानसभा चुनाव के विपरीत, जब पार्टी ने बड़े पैमाने पर दल-बदल कार्यक्रमों पर जोर दिया था, इस बार ऐसे आयोजनों से दूरी बनाई गई है। परिवर्तन यात्रा को शीर्ष नेतृत्व की ताकत के प्रदर्शन और 2026 के चुनाव अभियान की औपचारिक शुरूआत के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशिया में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को लेकर दी गई धमकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती चिंता की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एक बार फिर दुनिया के तमाम देशों के नाम चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगर कोई भी देश अमरीकी सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर का फायदा उठाना चाहेगा, तो उस पर पहले से भी अधिक टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप की इस धमकी के कारण अमेरिकी बाजार गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 800 अंक से अधिक टूट गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,837.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं नैस्डेक 277.13 अंक यानी 1.21 प्रतिशत टूट कर 22,608.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 92.54 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,896.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पर भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स पूरे सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद 0.02 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 10,684.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत लुढ़क कर 8,497.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 268.72 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 24,991.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 546.30 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,372 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,129.78 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है।

कोलकाता के तिलजला में फायरिंग, युवक घायल

कोलकाता। महानगर के तिलजला इलाके में सोमवार देर रात गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया। व्यक्तिगत विवाद के बाद हुई इस फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का नाम मोहम्मद नियाज है। उसे रात में ही एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम किसी बात को लेकर नियाज और मोहम्मद सलमान के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था। आरोप है कि देर रात सलमान ने नियाज को घर से बाहर बुलाया और उस पर पांच से छह राउंड गोलियां चलाईं। गोली लगते ही नियाज मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि आरोपित सलमान का आपराधिक संबंध रहा है। उसके खिलाफ चोरी, डकैती और जबरन वसूली जैसे कई आरोप पहले से दर्ज हैं। हालांकि दोनों के बीच विवाद किस कारण से शुरू हुआ, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपित की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

बालेन ने आरएसपी के चुनाव घोषणा पत्र से नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क के मुद्दे को हटाया

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

फोटोः हि.स.

झापा के दमक में चीन के अरबों रुपए के निवेश से बन रहे नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क के मुद्दे को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेंद्र (बालेन) शाह ने सोमवार को जारी अपने चुनावी घोषणा पत्र से इसे हटा दिया।

शाह झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को चुनौती दे रहे हैं। यह परियोजना चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा शुरू की गई बहु-महाद्वीपीय आधारभूत संरचना योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है। फरवरी 2021 में ओली ने झापा जिले में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। यह मेगा परियोजना झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आती है। यह ओली का अपना क्षेत्र है। शाह के यहां से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद यह क्षेत्र नेपाल के भीतर और बाहर दोनों जगह चर्चा का केंद्र बन गया है। पांच मार्च को होने वाले चुनाव से पहले दोनों नेताओं ने अपने-अपने चुनावी एजेंडे सार्वजनिक कर दिए हैं। ओली ने पिछले मंगलवार जारी अपने 41 सूत्रीय ह्यप्रतिबद्धता पत्रह्न में औद्योगिक पार्क के निर्माण और उसे पूरा कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वहीं शाह ने इसे अपने घोषणा-पत्र में शामिल नहीं किया है। शाह के सहयोगी कुमार व्यंजनकार ने संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, ह्लहम परियोजना और उससे जुड़े विवादों से अवगत हैं, इसलिए हमने इसे शामिल नहीं करने का निर्णय लिया। चार दिसंबर 2024 में ओली की चीन यात्रा के दौरान नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड कॉपरेटिव फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क समेत 10 परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया गया। परियोजना को घोषणा-पत्र से हटाए जाने के बाद औद्योगिक पार्क परियोजना समिति के अध्यक्ष गोविंद थापा ने सोमवार को फेसबुक पर लंबी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी का कारण नेपाल के भीतर की समस्या नहीं, बल्कि ह्वविदेशी बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक पार्क आम जनता के लिए वस्तुओं के उत्पादन हेतु बनाया जा रहा है, न कि हथियार या मिसाइल बनाने के लिए, और इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने आरएसपी और बालेन शाह पर विदेशी निवेश का विरोध करने का आरोप भी लगाया।

कोलकाता में सेना का वाहन पलटा, दो जवान घायल

कोलकाता। महानगर के मा फ्लाइओवर पर मंगलवार सुबह बारिश के कारण फिसलन भरी सड़क पर सेना का एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार दो जवान घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि वाहन विपरीत दिशा की लेन में घुसने के बाद रेलिंग से टकराया और पलट गया। घटना के समय वाहन में तीन सैनिक सवार थे। इनमें से दो को चोटें आई हैं। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पलटे वाहन से जवानों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। कोलकाता ट्रैफिक पुलिस सूत्रों के अनुसार, वाहन साइंस सिटी से पार्क सर्कस की ओर जा रहा था, तभी अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और वाहन डिवाइडर पार कर फ्लाइओवर की दूसरी लेन में चला गया। मंगलवार तड़के से शहर में हल्की से मध्यम वर्षा हो रही थी, जिससे सड़कें गीली और फिसलनभरी हो गई थीं। आशंका है कि इसी कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अलीपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह चार बजे से कोलकाता तथा आसपास के जिलों में वर्षा शुरू हो गई थी। पुलिस यह जांच कर रही है कि दुर्घटना केवल फिसलन के कारण हुई या इसमें किसी अन्य वाहन की भी भूमिका रही। सेना ने भी दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए अलग से जांच शुरू की है।

जेलेंस्की को उम्मीद ट्रंप लड़ाई में यूक्रेन का साथ देंगे

एजेंसी (हि.स.)

कीव

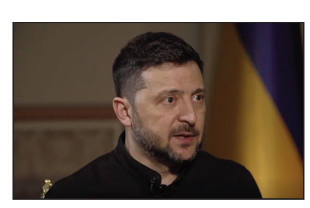

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की कि अमेरिका उनके साथ रहे। जेलेंस्की ने रूस के यूक्रेन पर हमले की चौथी बरसी से एक दिन पहले कीव में प्रेसिडेंशियल पैलेस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप मंगलवार को अपने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में रूस खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन का साथ देने की घोषणा करेंगे।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने कहा, " ट्रंप को यूक्रेन के साथ रहना होगा। यूक्रेन रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ लड़ रहा है। पुतिन एक जंग हैं। अमेरिका बहुत ताकतवर है। वह सच में पुतिन को रोक सकता है। हम लड़ाई से थक चुके हैं। पुतिन की मांगों को मानना कोई विकल्प नहीं है। हम पुतिन को वह सब नहीं दे सकते जो वह चाहते हैं।" युद्ध के पांचवें साल में पहुंचने के साथ यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच तितरफा शांति बातचीत में अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। जेलेंस्की ने कहा कि अगर भविष्य में रूस ने यूक्रेन पर फिर हमला किया तो यूक्रेन के सहयोगी कैसे प्रतिक्रिया देंगे, अभी भी यह साफ नहीं है। उन्होंने कहा, " मुझे साफ जवाब चाहिए। यूक्रेन अभी की अग्रिम मोर्चे पर लड़ाई रोकने को तैयार है। लेकिन यूक्रेनी सेना अपने नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क इलाके के उन इलाकों से पीछे नहीं हटेगी। रूस की मांग है कि यूक्रेन उस इलाके का लगभग 20 फीसद हिस्सा छोड़ दे। रूस चाहता है कि हम अपनी सेना वापस बुला लें। हम बच्चे नहीं हैं। हम इतने सालों से इस युद्ध से गुजरे हैं।

इमरान को आंखों के इलाज के लिए पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लाया गया

एजेंसी (हि.स.)

इस्लामाबाद

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान को आंखों के इलाज के लिए मंगलवार को सुबह होने से पहले राजधानी के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) लाया गया। पिम्स अस्पताल में उनकी प्रभावित आंख की नजर वापस लाने में मदद के लिए दूसरा इंजेक्शन दिया गया। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान को इससे पहले 24 और 25 जनवरी को भी यहां लाया गया था। उन्हें एक बार फिर खराब आंख के इलाज के लिए अदियाला जेल से दूसरी बार कड़ी सुरक्षा के बीच पिम्स अस्पताल में शिफ्ट किया गया। डॉक्टरों ने उनकी आंखों की देखभाल के लिए तीन इंजेक्शन लिखे थे। इसमें से दूसरा इंजेक्शन लगवाने के लिए उन्हें पिम्स लाया गया। करीब एक घंटे अस्पताल में रहने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। पिम्स में उनके दिल की स्थिति भी चेक की गई। उन्हें तीसरा इंजेक्शन 23 मार्च को लगेगा। पिम्स ने बयान में कहा कि खान के दो टेस्ट किए गए। दोनों टेस्ट में कार्डियक फंक्शन नॉर्मल दिखा। इमरान की सेहत सरकार और विपक्ष के बीच झगड़े का मुद्दा बन गई है। इमरान की सेहत की रिपोर्ट उनके वकील और उच्चतम न्यायालय के एमिकस क्यूरी बैरिस्टर सलमान सफदर ने न्यायालय को सौंपी थी। रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान की आंखों में गंभीर बीमारी है। इस बीमारी को सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन कहते हैं। यह समस्या आमतौर पर अधिक उम्र के लोगों को होती है और यह हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और दिल की बीमारी जैसे दिल की बीमारी से जुड़ी होती है। पिम्स ने कहा कि इमरान खान को फॉलो-अप सलाह और प्रिस्क्रिप्शन के साथ डिस्चार्ज कर दिया गया।

होली

काठमांडू के वसंतपुर में होली का चीर खड़ा किया गया

नेवार समुदाय ने रंगों के त्योहार होली की शुरूआत की

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

राजधानी काठमांडू के मूल निवासी कहे जाने वाले नेवार समुदाय के लोगों ने रंगों के त्योहार होली की औपचारिक शुरूआत आज से कर दी। काठमांडू के वसंतपुर में होली का चीर खड़ा किया गया है। मंगलवार सुबह रंग-बिरंगे कपड़ों और ध्वजापताकाओं से सुसज्जित तीन खंडों वाला चीर स्थापित किया गया। इसके साथ ही काठमांडू और आसपास के इलाकों में रहने वाले नेवार समुदाय में होली का शुभारंभ हो गया।

हनुमानढोका दरबार के दक्षिणी पटांगिनी, ऐतिहासिक मोहनकाजी चौक तथा दाखचौक में 32 फुट ऊंचा, गजुर (शिखर) जैसा दिखाई देने वाला रंगीन तीन-खंडीय होली चीर खड़ा किया गया। चीर स्थापना के बाद गुर्जु की पलटन द्वारा हर्षध्वनि की गई। चीर खड़ा किए जाने के साथ ही राजधानी काठमांडू सहित पूरे देश में रहने वाले नेवार समुदाय में औपचारिक रूप से होली की शुरूआत मानी जाती है। नेपाल पंचांग निर्णायक समिति ने आज चीर स्थापना के लिए शुभ दिन होने का निर्णय लिया था, जिसके अनुसार आज यह अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।

होली पर्व के शुभारंभ की घोषणा के रूप में वसंतपुर में चीर खड़ा करने की परंपरा रही है। पौराणिक काल से प्रारंभ इस पर्व का विशेष महत्व है। होली को वसंत ऋतु के आगमन की खुशी में रंगों के साथ मनाए जाने वाले उत्सव के रूप में देखा जाता है आज से लेकर फागुन पूर्णिमा के दिन तक नेवार समुदाय में होली खेलने की परंपरा है। नेपाल के मिथिला क्षेत्र में सोमवार से ही होली पर्व की औपचारिक शुरूआत हुई जब मध्य परिक्रमा यात्रा के कंचनवन पहुंचने पर वहां रंग और अबीर के साथ होली खेली गई।

मिथिला मध्य परिक्रमा का नौवें दिन धनुषा प्रस्थान

काठमांडू। मिथिला मध्यपरिक्रमा के यात्रियों ने महोत्तरी जिले की यात्रा पूरी कर ली है। जिले के कञ्चनवन में आठवें दिन सोमवार को रात्रि विश्राम करने के बाद यात्री आज मंगलवार को नौवें दिन धनुषा की ओर प्रस्थान कर गए। कञ्चनवन इस यात्रा में होली महोत्सव के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। कञ्चनवन इस परिक्रमा का आठवां रात्रि विश्राम स्थल है तथा महोत्तरी जिले का पांचवां पड़ाव। इससे पहले चौथे दिन महोत्तरी में प्रवेश करने वाले यात्रियों ने मटिहानी, जलेश्वर, मडै और ध्रुवकुण्ड में रात्रि विश्राम किया। जनकपुरधाम को केंद्र मानकर कुल 133 किलोमीटर के वृत्त में आयोजित होने वाली 15 दिवसीय इस परिक्रमा में धनुषा जिले में छह तथा भारत के मधुबनी जिले में चार रात्रि विश्राम की परंपरा है। फागुन अमावस्या के दिन धनुषा जिले की मिथिलाविहारी नगरपालिका के ठेराकचुरी स्थित मिथिलाविहारी मंदिर से प्रारंभ हुई यह यात्रा मिथिलाविहारी (श्रीराम) और किशोरीजी (सीताजी) की प्रतिमाओं को डोला (डोली) में साथ लेकर नंगे पांव की जाती है। आज कञ्चनवन से धनुषा के लिए रवाना हुए यात्री पर्वता में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 10वें दिन धनुषाधाम, 11वें दिन सतोखरधाम, 12वें दिन औरही तथा अंतिम 15वें दिन का रात्रि विश्राम जनकपुरधाम के रंगशाला मैदान में होगा। इससे पहले प्रथम दिन यात्रियों ने धनुषा के हनुमानगढ़ी में रात्रि विश्राम किया था। इस यात्रा के दौरान भारत के मधुबनी जिले में कल्याणेश्वर (कलना), गिरिजास्थान (फुलहर), करुणा और बिसौल क्रमशः दूसरे, तीसरे, 13वें और 14वें दिन के रात्रि विश्राम स्थल होते हैं।

टीम में जगह के लिये अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी : भारतीय महिला हॉकी कोच मारिन

मारिन ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की दीर्घकालिन रणनीति बनाई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अतीत की उपलब्धियां कोच शोर्ड मारिन की टीम में चयन की गारंटी नहीं है और भारतीय महिला हॉकी टीम के लिये बेहद महत्वपूर्ण वर्ष 2026 में सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह के लिये अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी। तोक्यो ओलंपिक 2021 में मारिन के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला टीम पेरिस ओलंपिक 2024 के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रही और पिछले साल एफआईएच प्रो लीग से भी बाहर हो गई। इसके अलावा एशिया कप के जरिये विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने में भी नाकाम रही।

हैदराबाद में आठ से 14 मार्च तक होने वाले विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम के साथ लौटे मारिन कोई कोताही नहीं बरतना चाहते और जरूरत पड़ने पर कड़े फैसले लेने से भी नहीं हिचकिचायेंगे। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, हमने छह जूनियर खिलाड़ियों को ग्रुप में रखा है। भारतीय टीम के साथ लौटने की घोषणा होने के तुरंत बाद से मैने हॉकी इंडिया लीग में जूनियर खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखना शुरू किया। ये लड़कियां सीनियर खिलाड़ियों के साथ अच्छा तालमेल शिविर में दिखा रहीं हैं।

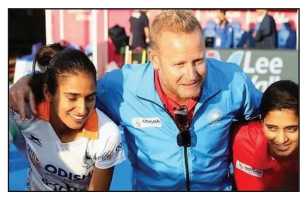

यह पूछने पर कि तोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा रहे सीनियर खिलाड़ियों की इस पर क्या प्रतिक्रिया है, उन्होंने कहा, सीनियर्स समझते हैं कि अतीत की उपलब्धियां मायने नहीं रखती और टीम में जगह बनाने के लिये सभी को अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी। वे भी इससे सहमत हैं और टीम खेल में यह आम बात है। उन्होंने दोहराया कि चीजें रातोंरात नहीं बदलेगी लेकिन कहा कि टीम धीरे धीरे वहां तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा, हम छोटे छोटे कदम ले रहे हैं। जब मैं और वेन (लोम्बार्ड) यहां आये तब कई खिलाड़ियों को कुछ न कुछ फिटनेस समस्या थी। यह रातोरात ठीक नहीं होगा और हमें एहतियात भी बरतनी होगी। मारिन ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की दीर्घकालिन रणनीति भी बनाई है लेकिन अभी उनका फोकस वहां तक पहुंचने की प्रक्रिया पर है। तोक्यो में उन्होंने दिल जीते लेकिन उन्हें भी पता है कि पिछले कुछ साल के प्रदर्शन को देखते हुए 2028 की राह और भी कठिन है। उन्होंने कहा, तोक्यो में हमसे किसी को उम्मीद नहीं थी लेकिन आज भी हम नौवे नंबर पर है। टीम पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी और प्रो लीग से बाहर हो गई। हम शीर्ष चार में नहीं हैं लिहाजा इस बार भी नये सिरे से शुरूआत करनी होगी। उन्होंने कहा, जब आप ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं करते तो अगले ओलंपिक की तैयारी और जल्दी शुरू कर देते हैं। बेल्जियम इसका उदाहरण है जिसने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं किया तब अगले ही दिन से नये चक्र की तैयारी शुरू कर दी। अब आप देखिये कि वह टीम कहां है। मारिन की प्राथमिकता में सिर्फ फिटनेस नहीं है बल्कि वह मानसिक अनुकूलन और टीम में एकजुटता पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, फिटनेस के अलावा टीम का माहौल, एक दूसरे को जानना और कार्यभार प्रबंधन भी अहम है। मुझे यह भ्री जानना था कि इन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ साल में क्या सीखा, क्या असरदार रहा और क्या नहीं। अभी बहुत कुछ चल रहा है ओर टीम में ताजगी लाना अहम है ताकि हर खिलाड़ी आनंद के साथ खेले। भारतीय टीम मानसिक अनुकूलन पर विशेषज्ञ की सहायता ले रही है और ड्रेसिंग रूम का मंत्र यही है कि एक दूसरे को उसी तरह स्वीकार करें, जैसे वे हैं और यह भी समझें कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं।

कोच ने कहा, मानसिक अनुकूलन काफी अहम है क्योंकि मैं हमेशा कहता हूं कि आपके भीतर की आवाज ही आपकी सबसे बड़ी दुश्मन है। नकारात्मक विचारों से बचना जरूरी है और यह एक सत्र में नहीं हो सकता। यह एक प्रक्रिया है। हमने इसके लिये विशेषज्ञ की सेवायें ली है। खिलाड़ियों की प्रोफाइलिंग के साथ यह हो रहा है ताकि वे खुद को और अपने साथी खिलाड़ियों को बेहतर समझ सकें।

प्रीमियर लीग: मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 1-0 से हराया

❍ सुपर सब बेंजामिन सेस्को ने दागा गोल

एजेंसी (हि.स.)
लिवरपूल

फोटोः हि.स.

प्रीमियर लीग 2025-26 में सोमवार को खेले गए मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 1-0 से हराकर महत्वपूर्ण तीन अंक हासिल किए। जीत के नायक एक बार फिर सुपर सब बेंजामिन सेस्को बने, जिन्होंने मैदान पर उतरने के 13 मिनट बाद निर्णायक गोल दागा। सेस्को ने पिछले चार मैचों में तीसरी बार बेंच से आकर गोल किया और टीम को अहम अंक दिलाए। मैच के 71वें मिनट में उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड के पार पहुंचाया। यह गोल पूरे मैच का सबसे बेहतरीन मूव था।

हमले की शुरूआत मैथियस कुन्हा की लंबी पास से हुई, जिसे ब्रायन म्बेउमो ने बेहतरीन तरीके से कंट्रोल किया और सटीक पास सेस्को को दिया। सेस्को ने बिना गलती किए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अंतरिम कोच माइकल कैरिक ने गोल की तारीफ करते हुए इसे आत्मविश्वास से भरा और निर्णायक फिनिश बताया। मैच का अधिकांश समय दोनों टीमों की डिफेंस हावी रही। भारी पिच के कारण खेल की रफ्तार धीमी रही और आक्रमण में धार कम नजर आई।

हालांकि यूनाइटेड ने जवाबी हमले में अपनी ताकत दिखाई और एकमात्र मौके को गोल में बदल दिया। इस जीत के साथ चौथे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड ने चेल्सी और लिवरपूल पर तीन अंकों की बढ़त बना ली है। टीम अब एस्टन विला से तीन अंक पीछे है। साथ ही, 13 जनवरी को रुबेन अमोरिम की जगह जिम्मेदारी संभालने वाले कैरिक की टीम लगातार छह मैचों से अजेय है। वहीं एवर्टन के लिए यह हार यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को झटका है। टीम नौवें स्थान पर खिसक गई है और चेल्सी व लिवरपूल से आठ अंक पीछे हो गई है। कोच डेविड मोयेस ने कहा कि उनकी टीम ने अच्छा प्रयास किया, लेकिन जवाबी हमले में गोल खा बैठी और गुणवत्ता की कमी के कारण मौके भुना नहीं सकी।

सितंबर में फिर आमने-सामने होंगे फ्लॉयड मेवेदर और मैनी पैकियाओ

एजेंसी (हि.स.)
लॉस एंजिलिस

दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ ने अपने चर्चित 2015 मुकाबले के रीमैच पर सहमति जता दी है। दोनों महान खिलाड़ी 19 सितंबर को लास वेगास में एक बार फिर आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला लास वेगास के अत्याधुनिक वेन्यू स्फीयर में आयोजित किया जाएगा और इसे नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

करीब 49 वर्ष के मेवेदर ने हाल ही में नौ साल के प्रतिस्पर्धी संन्यास को समाप्त करने की घोषणा की थी। वहीं 47 वर्षीय पैकियाओ भी चार साल के अंतराल के बाद दोबारा रिंग में लौटे हैं। दोनों मुक्केबाजों ने अभी तक रीमैच के लिए वजन वर्ग और राउंड की संख्या की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि 2015 में हुए उनके पहले मुकाबले में मेवेदर ने निर्णायक जीत दर्ज की थी। हालांकि वह

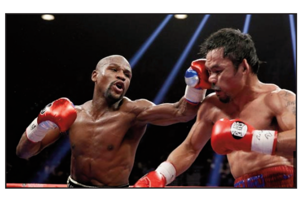

मुकाबला लंबे समय से बनी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया, लेकिन कमाई के मामले में उसने पे-पर-व्यू के कई रिकॉर्ड तोड़े थे और वैश्विक स्तर पर भारी चर्चा बटोरी थी। मेवेदर ने बयान में कहा कि नतीजा पहले जैसा ही रहेगा, जबकि पैकियाओ ने दावा किया कि पिछली बार वह चोट के बावजूद लड़े थे और इस बार प्रशंसकों को बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ी अपने करियर के चरम से आगे निकल चुके हैं, लेकिन लोकप्रियता के मामले में आज भी दुनिया के सबसे बड़े नामों में गिने जाते हैं। ऐसे में सितंबर में होने वाला यह रीमैच बॉक्सिंग जगत की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से दिल्ली में पैरा तैराकी कार्यशाला शुरू

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से तीन दिवसीय पैरा तैराकी कोचिंग कार्यशाला सोमवार को यहां शुरू हो गई। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी परिसर में आयोजित की जा रही इस कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ और कोच भारत में पैरा तैराकी को बेहतर बनाने पर चर्चा करेंगे। ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में भी तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने उद्घाटन समारोह के दौरान ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन को शॉल भेंट की। ग्रीन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पैरा खेलों में अपनी विशेषज्ञता भारत के साथ साझा करने के लिए तैयार है। ग्रीन ने कहा, पैरा तैराकी को बढ़ावा देने के लिए भारत में विशेषज्ञता लाने से हम बेहद खुश हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत का संबंध मुख्य रूप से क्रिकेट से जुड़ा रहा है, लेकिन जैसे-जैसे भारत वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है उसे देखते हुए ऑस्ट्रेलिया उसके साथ एक भागीदार के रूप में बने रहना चाहता है। भारतीय खेल प्राधिकरण की उप महानिदेशक मंजुश्री दयानंद ने इस पहल का स्वागत किया।

प्राग शतरंज महोत्सव: गुकेश की निगाह साल की पहली सफलता पर

एजेंसी (हि.स.)
प्राग (चेक गणराज्य)

विश्व चैंपियन डी गुकेश विश्व कप से जल्दी बाहर होने और टाटा स्टील मास्टर्स में निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर बुधवार से यहां शुरू होने वाले प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव में साल का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त गुकेश को शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी विंसेंट कीमर और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिनका हाल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। कीमर लाइव रेटिंग में चौथे स्थान जबकि अब्दुसत्तोरोव पांचवें स्थान पर हैं। गुकेश 10वें स्थान पर हैं और इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों में रेटिंग के मामले में सबसे आगे हैं। पिछले कुछ समय तक लाइव रेटिंग में शीर्ष 10 में तीन भारतीय खिलाड़ी हुआ करते थे, लेकिन अर्जुन

फोटोः हि.स.

एरिगैसी और आर प्रज्ञाननंदा खराब प्रदर्शन के कारण नीचे खिसक गए हैं। गुकेश के साथ इस प्रतियोगिता में एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। यही वह प्रतियोगिता है जिसने चेन्नई के इस खिलाड़ी को पहली बड़ी सफलता दिलाई थी। अमेरिका के हैंस नीमन एक और ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। ईरान के परहम मगसूदलू भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे जबकि नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वैन फोरस्ट ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है जिससे वह भी दावेदारों में शामिल हो गए हैं।

डोपिंग टेस्ट से बचने पर एआईयू ने भारतीय धाविका पूजा आत्माराम पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने खुलासा किया है कि भारत की लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम पिछले साल प्रतियोगिता के दौरान होने वाले डोप परीक्षण से पहले घबराकर भाग गई थीं और यह अपराध स्वीकार करने के बाद उन पर चार के बजाय तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। तीस वर्षीय पूजा 5000 मीटर और 10,000 मीटर स्पधाओं में भाग लेती हैं। उन्होंने 2024 में राजस्थान की तरफ से इंडियन ग्रां प्री दो में तीसरा स्थान हासिल किया था, जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले साल 23 नवंबर को मुंबई में इंडियन ऑयल डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन जीतने के बाद उन्हें डोप टेस्ट के लिए चुना गया था। एआईयू ने अपने फैसले में कहा, दौड़ समाप्त होने के तुरंत बाद एक डोपिंग कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) और एक लीड डीसीओ ने इस एथलीट को मौखिक रूप से डोपिंग टेस्ट के लिए चुने जाने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद इस एथलीट ने डोपिंग कंट्रोल फॉर्म (डीसीएफ) पर हस्ताक्षर नहीं किए। मौखिक सूचना मिलने के बाद एथलीट को फिनिश लाइन से डोपिंग कंट्रोल स्टेशन (डीसीएस) तक ले जाने के लिए एक सहायक साथ में था।

दुबई चैंपियनशिप 2026: अलियासिम ने छह मैच प्वाइंट के बाद जीता मुकाबला

एजेंसी (हि.स.)
दुबई

दुबई चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में शीर्ष वरीय खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को सोमवार को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। एटीपी 500 टूर्नामेंट के इस मुकाबले में उन्होंने झांग झिझेन को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया, लेकिन जीत दर्ज करने के लिए उन्हें छह मैच प्वाइंट लेने पड़े।

मैच के बाद ऑगर-अलियासिम ने स्वीकार किया कि लगातार मैच प्वाइंट गंवाने से मानसिक दबाव बढ़ गया था। पिछले सीजन में दुबई में उपविजेता रहे कनाडाई खिलाड़ी इस वर्ष शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने मोंटपेलियर में खिताब जीता और रॉटरडैम में फाइनल तक पहुंचे। अब उनका अगला मुकाबला जियोवानी मपेत्शी पेरिकार्ड से होगा, जिन्होंने कड़े मुकाबले में मोएज एशारगुई को हराया। स्विट्जरलैंड के अनुभवी स्टार स्टैन

फोटोः हि.स.

वावरिंका ने अपने विदाई सत्र में बेंजामिन हसन को 7-5, 6-3 से मात दी। स्टेडियम में उनके हमवतन और दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर भी मौजूद थे, जिन्होंने दुबई में आठ बार खिताब जीता है। 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद वावरिंका की यह टूर स्तर पर 10वीं जीत है, जो ओपन एरा में एक रिकॉर्ड है। वहीं ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने लगभग छह महीने बाद एटीपी टूर में वापसी करते हुए क्वेंटिन हलीस को 7-6 (10-8), 6-3 से हराया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने खेलना बेहद खास अनुभव रहा।

डीयू में 20 मार्च को लगेगा रोजगार मेला

दिल्ली विश्वविद्यालय के यूजी-पीजी छात्रों के लिए अगले माह जॉब प्राप्त करने के दरवाजे खुलने जा रहे हैं। डीयू का सेंट्रल प्लेसमेंट सेल शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत 20 मार्च को जॉब व इंटर्नशिप फेयर आयोजित करने जा रहा है। बहु-उद्देश्यीय सभागार में आयोजित होने वाले इस मेले में 60 से अधिक कई छोटी-बड़ी कंपनियों के कैंपस पहुंचने की उम्मीद है। कंपनियों के इस मेले में आने के लिए 28 फरवरी तक पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। डीयू की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) अधिकारी के अनुसार जॉब व इंटर्नशिप मेले में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के पहले व दूसरे वर्ष के छात्रों को इंटर्नशिप और अंतिम वर्ष के छात्रों को नौकरी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। सेल का प्रयास है कि हर बार की तरह इस बार भी अधिक से अधिक कंपनियां जॉब ऑफर के साथ कैंपस पहुंचे। बीते साल इस मेले में 65 से अधिक कंपनियां कैंपस पहुंची थी। जॉब मेले में जॉब ऑफर लेकर आने वाली कंपनियां वार्षिक पैकेज के रूप में औसत 3.5 लाख रुपये से लेकर आठ लाख रुपये तक की पेशकश कर सकती है। जबकि इंटर्नशिप के लिए सप्ताह में आठ से दस घंटे काम करने के लिए न्यूनतम पांच हजार रुपये तक की पेशकश हो सकती है। प्रशासन उम्मीद कर रहा कि डीयू के छात्रों की काबलियत को देखते हुए उन्हें 10 लाख बार्षिक से भी अधिक के ऑफर प्राप्त हो सकते हैं।

दिल्ली में आज इग्नू की मेगा प्लेसमेंट ड्राइव, इन सेक्टर में मिलेंगी नौकरियां

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) 25 फरवरी को अपने परिसर स्थित बी.आर. आंबेडकर कन्वेंशन सेंटर में इस वर्ष की दूसरी मेगा ऑन-कैंपस भर्ती ड्राइव आयोजित करेगा। यह प्लेसमेंट ड्राइव स्नातक, डिप्लोमा धारक, ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए है, जिनमें बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, एमकॉम तथा ट्रैवल एंड टूरिज्म जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह भर्ती अभियान विश्वविद्यालय के कैंपस प्लेसमेंट सेल (CPC) द्वारा समन्वित किया जा रहा है और केवल इग्नू के वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों (अलुमनाई) के लिए खुला है।

हेल्थकेयर उम्मीदवारों को भी अवसर

विश्वविद्यालय ने बताया कि होम-बेस्ड हेल्थकेयर से जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स में नामांकित या कोर्स पूरा कर चुके उम्मीदवार भी हेल्थकेयर भूमिकाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रतिभागियों को अपने साथ अपडेटेड सीवी, मूल सरकारी पहचान पत्र और शैक्षणिक व अनुभव प्रमाणपत्र लाने होंगे।

दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार

इस पहल का उद्देश्य फिनटेक, सूचना प्रौद्योगिकी, बीपीओ, बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, ट्रैवल एंड टूरिज्म, एड-टेक, एविएशन और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। कई प्रमुख कंपनियों के इस ड्राइव में भाग लेने की संभावना है। ये कंपनियां दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम जैसे प्रमुख जॉब मार्केट में उद्योग-मानक वेतन पैकेज के साथ नियुक्तियां करेंगी।

पहले आयोजन में बढ़िया प्रदर्शन

विश्वविद्यालय ने कहा कि जनवरी में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव को मिली मजबूत प्रतिक्रिया के बाद इस कार्यक्रम की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। देशभर में फैले अपने नेटवर्क और उद्योग साझेदारियों का लाभ उठाते हुए IGNOU अपने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें बेहतर करियर अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है।

इन पदों पर होगी भर्ती

रिक्रूटर्स निम्नलिखित पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करेंगे:

- अकादमिक काउंसलर
- टैलेंट एक्विजिशन मैनेजर
- सेल्स मैनेजर
- कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव
- टेक्निकल सपोर्ट स्टाफ
- ट्रैवल एग्जीक्यूटिव
- टेली-सेल्स प्रोफेशनल
- बैकएंड ऑफिस इंटर्न
- एविएशन ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ
- पैसेंजर सर्विस एग्जीक्यूटिव
- हेल्थकेयर और होमकेयर प्रोफेशनल

CPC के अनुसार, यह ड्राइव विद्यार्थियों और नियोक्ताओं के बीच की दूरी कम करने और टिकाऊ करियर मार्ग तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

33वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा का नोटिस जारी, 173 पदों पर करें पंजीकरण

बिहार लोक सेवा आयोग ने 33वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगी परीक्षा के तहत सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के 173 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह भर्ती विज्ञापन संख्या 12/2026 के माध्यम से की जा रही है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 25 फरवरी 2026 से शुरू होगी और 18 मार्च 2026 को समाप्त होगी। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन पत्र भरने से पहले विस्तृत नोटिफिकेशन को ध्यानपूर्वक पढ़ें, क्योंकि उसमें पात्रता, चयन प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण निदेशों की पूरी जानकारी दी गई है। आवेदन प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी करना अनिवार्य है।

रिक्तियों का विवरण और महत्वपूर्ण तिथियां

इस भर्ती अभियान के तहत कुल 173 रिक्तियां सिविल जज (जूनियर डिवीजन) पद के लिए घोषित की गई हैं। चयन 33वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन प्रारंभः 25 फरवरी 2026, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथिः 18 मार्च 2026, कुल पदः 173। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन जमा कर दें ताकि सर्वर संबंधी या तकनीकी समस्याओं से बचा जा सके।

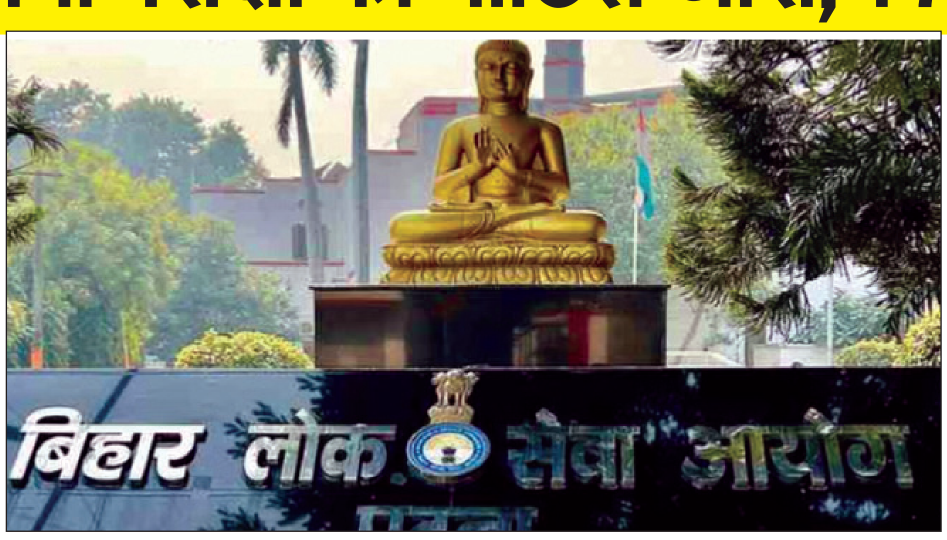

पात्रता मानदंड और चयन प्रक्रिया

अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना में दिए गए पात्रता मानदंडों की जांच करना आवश्यक है। नोटिफिकेशन में शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, आरक्षण नीति और अन्य शर्तों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। केवल वही उम्मीदवार आवेदन करें जो सभी निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हों। चयन प्रक्रिया बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगी परीक्षा के नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी। इसमें निम्न चरण शामिल होंगेः प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार। प्रत्येक चरण में सफल होने वाले उम्मीदवारों को अगले चरण के लिए पात्र माना जाएगा। अंतिम चयन निर्धारित प्रक्रिया और मेरिट के आधार पर किया जाएगा। आवेदन पत्र में दर्ज की गई जानकारी पूरी तरह सही और प्रमाणित होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की त्रुटि, गलत जानकारी या अधूरा फॉर्म पाए जाने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है।

आधिकारिक नोटिफिकेशन कैसे डाउनलोड करें

उम्मीदवार निम्नलिखित चरणों का पालन कर अधिसूचना डाउनलोड कर सकते हैं: बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। Advertisement No. 12/2026 से संबंधित 33rd Bihar Judicial Service Competitive Examination लिंक पर क्लिक करें। नोटिफिकेशन पीडीएफ खोलें। फाइल डाउनलोड कर भविष्य के संदर्भ के लिए सुरक्षित रखें। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा कार्यक्रम और आगे की घोषणाओं के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें। आवेदन की समय सीमा का पालन करना और सभी निर्देशों का सही अनुपालन करना अभ्यर्थियों की जिम्मेदारी है।

उपलब्धियों का नया अध्याय रचते हरियाणा के युवा: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने 153 किमी की ऐतिहासिक ट्रैकिंग पूरी करने वाले युवाओं से की मुलाकात

भूपेंद्र शर्मा
पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज 7 दिनों में 153 किलोमीटर, कालका से कलेसर तक की चुनौतीपूर्ण ट्रैकिंग पूरी करने वाले विद्यार्थियों से भेंट की। मुख्यमंत्री ने इस साहसिक उपलब्धि के लिए युवाओं की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार बेहतर अनुभव और अवसर उपलब्ध कराने के लिए, नई आधारभूत संरचनाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का निर्माण कर रही है, ताकि युवाओं को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा अपनी बहुमूल्य प्रतिभा और रिकॉर्ड बनाने की परंपरा के लिए जाना जाता है, और युवाओं ने 7 दिनों में 153 किलोमीटर की ट्रैकिंग पूरी कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है।

इस अवसर पर युवा कल्याण संयोजक ने बताया कि यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय तथा एम.एल.एन. कॉलेज यमुनानगर के कुल 7 विद्यार्थियों ने इस ट्रैक को सफलतापूर्वक पूरा किया। ये विद्यार्थी कालका से कलेसर तक 153 किलोमीटर की ट्रैकिंग पूरी करने वाले हरियाणा के पहले युवा बने हैं, जिससे प्रदेश का मान बढ़ा है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के साहस, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प की सराहना की गई।

सीबीएलयू के विद्यार्थियों ने नेचर कैंप थपली का किया भ्रमण, ट्रैकिंग कर प्रकृति का लिया आनंद

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नेचर कैंप थपली का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक वातावरण का गहन अवलोकन किया और विभिन्न साहसिक गतिविधियों में भाग लिया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग कर प्रकृति की सुंदरता को नजदीक से महसूस किया तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझा। कैंप में विशेषज्ञों द्वारा उन्हें जैव विविधता, वन्य जीवन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई।

यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ, जिससे उनमें प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना और अधिक मजबूत हुई।

भारत मंडपम में मनाया गया 75वां एसिक स्थापना दिवस

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिल्ली

माननीय डॉ. मनसुख मांडविया, श्रम एवं रोजगार मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में भारत मंडपम नई दिल्ली में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75वें एसिक स्थापना दिवस पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही ईएसआईसी में विशेष सेवाएं पखवाड़ा-2026 का भी शुभारंभ किया गया। एसिक स्थापना दिवस के समारोह में माननीय सांसद एनके प्रेमचन्दन, सुश्री वंदना गुरनानी, सचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पंचदीप प्रज्वलित कर किया गया। ईएसआईसी की तरफ से निगम के महानिदेशक श्री अशोक कुमार सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने ईएसआईसी के 75वें स्थापना दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा नियोजकों को सम्मानित किया। साथ ही निगम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों और अस्पतालों को सम्मानित किया गया। एसिक दिवस की 75वें स्थापना दिवस पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया गया। साथ ही ईएसआईसी@75 कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया।

आगे, इस समारोह में प्रधानमंत्री जन औषधि योजना और ईएसआईसी के मध्य एमओयू भी हस्ताक्षर किया गया तथा स्वास्थ्य रथ की भी शुरुआत की गई जो कि एक मोबाइल हेल्थकेयर प्रदान करने का मॉडल है। साथ ही वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का भी शुभारंभ किया गया।

इसके उपरांत माननीय डॉ. मनसुख मांडविया, श्रम एवं रोजगार मंत्री ने सभी को 75वें एसिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईएसआई एक व्यापक योजना है तथा यह चिकित्सा क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दे रही है।

इसके अतिरिक्त ईएसआईसी और एनएबीएल के बीच एमओयू किया गया। तदुपरांत ईएसआईसी योजना के हितधारकों का विवरण भी जारी किया गया। समारोह के अंत में श्री दीपक जोशी -बीमा आयुक्त ने माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ उपस्थित सभी ईएसआईसी के अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ईएसआईसी उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम के कार्यालय प्रमुख श्री सुनील यादव-निदेशक (प्रभारी) ने प्रतिनिधित्व किया। साथ ही श्री सचिन सिंह-उप निदेशक, डॉ.स्वीटी यादव-सहायक निदेशक के अतिरिक्त कार्यालय के अधिकारियों ने अपनी सहभागिता दी।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

23 एवं 24 फरवरी 2026 को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 7,में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह खेल प्रतियोगिता दृष्टिकोण के अनुरूप आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। बालकों के लिए वॉलीबॉल, बैडमिंटन एवं 400 मीटर दौड़ तथा बालिकाओं के लिए रस्साकशी, बैडमिंटन एवं 200 मीटर दौड़ की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, ट भारत चंडीगढ़ ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि एवं खेलों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में व्यक्तित्व विकास, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सचिन सिंगला, सहायक जनसंपर्क अधिकारी चंडीगढ़ प्रशासन ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करने हेतु ट भारत की सराहना की। प्रतियोगिताओं में शेर-ए-पंजाब यूथ क्लब ने वॉलीबॉल का खिताब जीता। मोहित वर्मा एवं रागिनी ने क्रमशः बालक एवं बालिका वर्ग में बैडमिंटन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हरीश ने 400 मीटर दौड़ में विजय हासिल की, जबकि गुरप्रीत ने 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रस्साकशी प्रतियोगिता में श्रीष्टि कर्मा फाउंडेशन यूथ क्लब विजेता रहा। कार्यक्रम को परवाज फाउंडेशन यूथ क्लब, युवा स्तंभ यूथ क्लब तथा ग्लोबल यूथ फेडरेशन यूथ क्लब का सहयोग प्राप्त हुआ। यह आयोजन ग्रीन इवेंट के रूप में भी संपन्न हुआ,रीसाइकिल पार्टनर के रूप में प्लास्टिक कचरे के संग्रहण एवं पुनर्चक्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका के 20 स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में लिया भाग

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका की प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 20 स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने पंचकूला के मोगीनंद स्थित कंबाइंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट होम गार्ड्स एंड सिविल डिफेंस, हरियाणा में आयोजित सात दिवसीय युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित किया गया था।

इस प्रशिक्षण शिविर में स्वयंसेवकों ने प्राथमिक उपचार, अस्थायी स्ट्रेचर निर्माण, रस्सी से घायलों की सुरक्षित निकासी, सीमित संसाधनों से नाव निर्माण, खोज एवं बचाव कार्य, अग्निशमन उपाय, भूकंप एवं बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में राहत एवं पुनर्वास और सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, ₹यह प्रशिक्षण आपके लिए एक अद्वितीय अवसर है। आप इस प्रशिक्षण का फायदा उठाएं और इसे अपने जीवन में लागू करें। आपदा के समय में आपकी यह शिक्षा न केवल आपको बल्कि आपके आसपास के लोगों को भी सुरक्षित रख सकती है।₹

इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम प्रभारी डॉ. आशीष कुमार, सहायक प्राध्यापिका सविता, डॉ. नीरू शर्मा, सहायक प्राध्यापिका श्रीमती अंजना (वाणिज्य विभाग), सहायक प्राध्यापिका सविता (वाणिज्य विभाग) और डॉ. पूजा (हिंदी विभाग) ने अहम भूमिका निभाई। इन सभी शिक्षकों के मार्गदर्शन और समर्पण से स्वयंसेवकों ने आपदा प्रबंधन में दक्षता हासिल की और समाज सेवा के लिए तैयार हुए।

एआई और इंडस्ट्री 4.0 टूल्स से परिचित हुए छात्र भविष्य की तकनीकों पर केंद्रित वर्कशॉप आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से मंगलवार को पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सहयोग ह्लइनोवेटर्स और एंटरप्रेन्योर्स के लिए एआई और आई 4.0 टूल्सह्व विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह वर्कशॉप विद्यार्थियों, स्टार्टअप उत्साही प्रतिभागियों तथा नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं को आधुनिक तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस वर्कशॉप का मकसद स्टूडेंट्स और नए एंटरप्रेन्योर्स को नई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री 4.0 टूल्स से परिचित कराना था, और इनोवेशन, स्टार्टअप्स और मॉडर्न इंडस्ट्रीज पर उनके बदलाव लाने वाले असर पर जोर देना था।इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया। वहीं, विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने मुख्य वक्ताओं लेबलर एआई के फाउंडर और सीईओ पुनीत जिंदल लेबलर एआई में एआई ऑटोमेशन के स्पेशलिस्ट सार्थक भारद्वाज का पौधा भेंट कर स्वागत किया। विजनरी उद्यमी पुनीत जिंदल की कंपनी लेबलर विश्वस्तरीय एआई संगठनों को महत्वपूर्ण डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान कर रही है। पुनीत जिंदल ने वास्तविक व्यावसायिक परिदृश्य में एआई समाधान लागू करने को लेकर अपने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए। वहीं, वर्कशॉप में एक सशक्त अनुभवात्मक आयाम जोड़ते हुए सार्थक भारद्वाज ने ऑटोनॉमस सिस्टम्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को प्रदर्शित करते हुए एक लाइव प्रोजेक्ट डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया।

इस वर्कशॉप का समन्वयन कन्वीनर डॉ. विक्रम सागर, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ.रीना तथा इनोवेशन एंबेसडर डॉ. अर्चना गोयलने किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. रीना के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने रिसोर्स पर्सन, आयोजन टीम एवं छात्र वॉलंटियर्स की कार्यशाला को सफल बनाने में निभाई गई भूमिका के लिए हृदय से सराहना व्यक्त की। इस कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक विषयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वर्कशॉप ने उद्यमशील पहलों में एआई और इंडस्ट्री 4.0 टूल्स के एकीकरण के प्रति जागरूकता को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया। इसके माध्यम से युवा प्रतिभाओं में तकनीकी प्रगति और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई।

पंचकूला संरचित पुनर्वास योजना के साथ भिखारी-मुक्त भविष्य की ओर

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

आयुक्त नगर निगम पंचकूला, श्री विनय कुमार, ने आज सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्माइल (रटक्छए) योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की। इस योजना का उद्देश्य भीख मांगने वाले लोगों का पूर्ण रूप से पुनर्वास करना है। नगर निगम पंचकूला को अपने क्षेत्र में इस योजना को लागू करने की अधिकृत संस्था बनाया गया है। यह बैठक उम्मीद एनजीओ के साथ आयोजित की गई, जो इस कार्यक्रम के तहत सर्वेक्षण और पुनर्वास गतिविधियाँ संचालित करने वाली एजेंसी है। इस अवसर पर उम्मीद एनजीओ के प्रतिनिधि, श्री बलबीर मान और नगर निगम के संयुक्त आयुक्त श्री गौरव चौहान भी उपस्थित थे। स्माइल योजना का उद्देश्य भीख मांगने वाले लोगों की पहचान करना, उन्हें एकत्र करना, अस्थायी आश्रय प्रदान करना, उनका पुनर्वास करना और उन्हें समाज तथा आर्थिक मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनः शामिल करना है। इस रणनीति में सिस्टमैटिक सर्वेक्षण और पहचान, काउंसलिंग, अस्थायी आश्रय की व्यवस्था, जरूरी दस्तावेज तैयार करना, कौशल विकास, और स्थायी रोजगार के अवसरों से जोड़ना शामिल है।

संक्षिप्त-समाचार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण चंडीगढ़ कार्यालय द्वारा आधार ऑपरेटरों एवं पर्यवेक्षकों के लिए व्यापक प्रशिक्षण आयोजित

चंडीगढ़। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा हरियाणा के आधार ऑपरेटरों के लिए आधार नामांकन एवं अद्यतन संबंधी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित हुआ, जिसमें 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऑपरेटरों की कार्य दक्षता बढ़ाना तथा आधार नामांकन एवं अद्यतन प्रक्रियाओं की उनकी समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नल एच.एस. कपूर, निदेशक, यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री तेजिंदर पाल सिंह, उपनिदेशक; श्री गौरव शर्मा, परियोजना प्रबंधक; श्री जसपाल सिंह, अनुभाग अधिकारी; सुश्री बबीता रानी, सहायक प्रबंधक; तथा श्री विवेक, सहायक प्रबंधक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का संचालन यूआईडीएआई मुख्यालय के नामांकन एवं अद्यतन प्रभाग के सहयोग से श्री अनिल शर्मा द्वारा किया गया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को आधार प्रणाली की विभिन्न विशेषताओं, नवीनतम स्वीकृत दस्तावेजों की सूची, त्रुटियों एवं दंड से संबंधित प्रावधानों, यूडीआईएसई पोर्टल तथा जन्म तिथि (उ्नइ) अद्यतन से संबंधित दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएँ रखीं और उन्हें उनके कार्य संबंधी चुनौतियों पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यूआईडीएआई चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय की फील्ड कर्मियों की क्षमता वृद्धि तथा आधार सेवाओं की सरल, सुगम और नागरिक-अनुकूल डिलीवरी सुनिश्चित करने की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत की जनगणना 2027 : चंडीगढ़ में मकान सूचीकरण एवं स्व-गणना कार्यक्रम अधिसूचित

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) एवं स्व-गणना की तिथियों के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय, गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या र.ड. 99(ए) दिनांक 7 जनवरी 2026 को संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ के असाधारण राजपत्र में पुनः प्रकाशित किया गया है। जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत बनाए गए जनगणना नियम, 1990 के नियम 8() के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशासक, संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ ने घोषणा की है कि–स्व-गणना का कार्य 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। मकान सूचीकरण कार्य 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक सम्पूर्ण संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ में संचालित किया जाएगा। स्व-गणना की प्रक्रिया, घर-घर जाकर किए जाने वाले 30 दिवसीय मकान सूचीकरण कार्य से पूर्व आयोजित की जाएगी। चंडीगढ़ के सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु जनगणना अधिकारियों एवं गणनाकारों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

उप मंडल दंडाधिकारी (पूर्व) की विशेष अदालत में 168 मामलों का निपटारा

चंडीगढ़। उप मंडल दंडाधिकारी (पूर्व) द्वारा आयोजित विशेष निस्तारण अदालत में एक ही दिन में 168 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। यह लंबित मामलों में कमी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन मामलों में अंतिम आदेश हेतु तैयार प्रकरणों के साथ-साथ ऐसे अनुपालन आधारित मामले भी शामिल थे, जिनमें केवल मामूली कमियां शेष थीं। खुली अदालत में सत्यापन एवं सुनवाई के उपरांत पात्र मामलों का अंतिम निस्तारण किया गया तथा आदेशों की प्रमाणित प्रतियां उसी दिन संबंधित पक्षों को प्रदान की गईं। नियमित अदालतों के अतिरिक्त, मामले प्रबंधन को और अधिक सुचारु बनाने तथा लंबित मामलों में निरंतर कमी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसी विशेष निस्तारण अदालतें भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित की जाती रहेंगी।

उपायुक्त ने विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से जिले की ग्रामीण आंचल की महिला व पुरूष प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार के माध्यम से जीवन को सुगम बना रहे है। उपायुक्त रायपुररानी ब्लॉक के गांव गढी कोटाहा में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होने विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद स्वरोजगार कर रहे महिला व पुरूषों का नैतिक कर्तव्य बनता है कि वे स्वरोजगार प्रशिक्षण के बारे में अन्य युवाओं को भी विस्तार से जानकारी दें ताकि वे भी यंहा से प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में पहल कर सकें। उपायुक्त ने प्रशिक्षण संस्थान में पास आउट बच्चों से स्वरोजगार के बारे में विस्तार से बातचीत की।

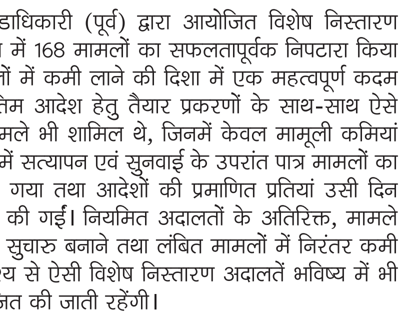

उन्होने ब्यूटी पार्लर की टेजनिंग ले चुकी अंजलि, मशरूम कल्टीविशन का कार्य कर रहे ज्वाला और कंप्यूटर की टैजनिंग ले चुकी कविता से बातचीत की और उनके कार्य की विस्तार से जानकारी ली। उन्होने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक से पूरे जिले में प्रशिक्षण संस्थान में चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में प्रचार प्रसार के भी निर्देश दिए ताकि ग्रामीण आंचल के युवा ज्यादा से ज्यादा लाभ लेकर स्वरोजगार कर सकें। उन्होने मशरूम खेती प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को भी मिलकर बडे स्तर पर कार्य करने की सलाह दी ताकि सभी मिलकर बेहतर मार्केटिंग तकनीक अपनाकर अपनी आय बढा सकें। श्री सतपाल शर्मा ने प्रशिक्षण संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया।

नाईपर, मोहाली द्वारा 13वें इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकोलॉजी तथा ट्रांसलेशनल रिसर्च इन एथ्नोफामाकोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 26 से

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

नाईपर, मोहाली के प्राकृतिक उत्पाद विभाग तथा सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकोलॉजी (एसएफईसी), कोलकाता के सहयोग से संयुक्त रूप से सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस एवं एथ्नोफामाकोलॉजी में ट्रांसलेशनल रिसर्च पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ह्न आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में पारंपरिक चिकित्सा का एकीकरण का आयोजन 26-28 फरवरी, 2026 को नाईपर ,मोहाली, पंजाब में किया जाएगा।

सम्मेलन की थीम ट्रांसलेशनल रिसर्च में एआई एवं एथ्नोफामाकोलॉजी है, जिसका उद्देश्य प्राचीन पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जोड़ना है।

तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 500 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है, जिनमें यूरोप एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 से अधिक देशों से आने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय वक्ता, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, पारंपरिक वैद्य, नीति-निमार्ता, नियामक विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, आयुष विशेषज्ञ, स्टार्ट-अप, शोधार्थी एवं विद्यार्थी शामिल होंगे। आयोजन सचिव एवं नाईपर के प्रोफेसर संजय जाचक के अनुसार, यह सम्मेलन क्षेत्र में एथ्नोफामाकोलॉजी के क्षेत्र का एक प्रमुख और व्यापक आयोजन होगा। सम्मेलन की प्रमुख विशेषताओं में अकादमिकह्नउद्योग सहभागिता कार्यक्रम, पारंपरिक वैद्य सम्मेलन, आयुष संगोष्ठी, एआई एवं सिस्टम्स एथ्नोफामाकोलॉजी सत्र, तकनीकी कार्यशालाएं तथा पैनल चर्चा शामिल रहेंगी।

वैज्ञानिक सत्रों में मेटाबोलोमिक्स आधारित शोध, नेटवर्क फामाकोलॉजी, स्वास्थ्य एवं रोग में आंत माइक्रोबायोटा की भूमिका, प्राकृतिक उत्पादों का बायोप्रॉस्पेक्टिंग, न्यूट्रास्यूटिकल्स एवं फाइटोफार्मास्यूटिकल्स, प्राकृतिक उत्पादों की औषधीय रसायन, नियामक मामले, हर्बल औषधि विकास में सतत प्रौद्योगिकियां, फॉमुर्लेशन विकास तथा ट्रांसलेशनल ड्रग डिस्कवरी जैसे समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रमुख हर्बल एवं न्यूट्रास्यूटिकल उद्योग जैसे हिमालय वैलनेस कंपनी, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, सामी-सबिंसा ग्रुप. फमंर्जा हेर्बल्स प्राइवेट लिमिटेड, नेचुरल रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड तथा इमामी हेल्थ केयर सहित अन्य संस्थानों ने सम्मेलन में गहरी रुचि व्यक्त की है।

वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध शैक्षणिक प्रकाशन एवं वैज्ञानिक सूचना विश्लेषण कंपनी ए'शीप्री१ ने भी सम्मेलन से जुड़ने की सहमति व्यक्त की है। पुलोक क. मुखर्जी, संस्थापक एसएफई एवं जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने जानकारी दी कि सम्मेलन के दौरान ऐनी मारी , सीनियर मैनेजर, एल्सेवियर पब्लिकेशन्स (फार्मास्यूटिक्स एवं फामाकोलॉजी) की उपस्थिति में सिस्टम्स एथ्नोफामाकोलॉजी एवं सतत जैव-संसाधन विषय पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

एसएफई, भारत, जो वेस्ट बंगाल सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है तथा इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकोलॉजी से संबद्ध है, औषधीय पौधों, पारंपरिक चिकित्सा एवं प्राकृतिक उत्पादों पर अनुसंधान तथा ज्ञान के वैश्विक प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है।

नाईपर, मोहाली की स्थापना वर्ष 1994 में भारत सरकार के औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन की गई थी। यह संस्थान औषधि शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार में उत्कृष्टता के लिए समर्पित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने इस भव्य सम्मेलन के आयोजन हेतु नाइपर-मोहाली के प्रयासों की सराहना करते हुए अपना पूर्ण समर्थन प्रदान किया है।नाईपर मोहाली के निदेशक प्रो. दुलाल पांडा ने कहा कि नाईपर ने औषधि खोज, फॉम्युर्लेशन विज्ञान, नियामक अनुसंधान तथा ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य समाधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण एवं सामयिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए प्रो. संजय जाचक को बधाई दी तथा सम्मेलन की पूर्ण सफलता की कामना की।